राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण बुधवार,10जुन2020 वर्ष–2, अंक –98 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विवाद के बीच लद्दाख में दो सड़को पर काम कर रहा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत भारत पूर्वी लद्दाख में चीन की सीमा के पास दो प्रमुख सड़कों पर काम कर रहा है। पहली सड़क दरबूक–श्योक–दौलत बेग ओल्डी डीएस–डीबीओ है जो देश के उत्तरी–सबसे चौकी, दौलत बेग ओल्डी को कनेक्टिविटी प्रदान करती है, दूसरी सड़क जो ससोमा से सेसर ला तक बनाई जा रही है, अंततः काराकोरम पास के पास डीबीओ को एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान कर सकती है।

दोनों परियोजनाओं को सीमा सड़क संग. ठन बीआरओ द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है,

जो रणनीतिक सड़कों के निर्माण के लिए लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में चीन की सीमा के पास के क्षेत्रों में 11,815 श्रमिकों को पार कर रहा है परियोजनाओं को सीमा सड़क संगठन बीआरओद्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है, जो रणनीतिक सड़कों के निर्माण के लिए लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में चीन की सीमा के पास के क्षेत्रों में 11,815 श्रमिकों से काम ले रहा है। भारत लद्दाख सेक्टर सहित आगे के क्षेत्रों में रणनीतिक सड़क परियोजनाओं में बाधा डालने के लिए चीन के साथ सीमा टकराव की अनुमति नहीं दे रहा है, जहां वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी के साथ चार स्थानों पर दोनों राष्ट्रों के सैनिक भिड़ गए थे।

इधर, भारत ने चीन के साथ सीमा विवाद और उससे निपटने के प्रयासों पर अपने परंप. रागत मित्र देश रूस और प्रमुख रणनीतिक साझेदार अमेरिका को भरोसे में लिया है। दोनों देशों को घटनाक्रम से अवगत कराया गया है। जानकार इसे भारत की अहम मुद्दों पर मित्र देशों को अपडेट करने और भरोसा हासिल करने की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। सूत्रों ने कहा, भारत ने पिछले कुछ महीनों में देश मे सभी बड़े घटनाक्रम पर मित्र देशों को जानकारी दी है और उन्हें भरोसे में लिया है।

कश्मीर में धारा 370 समाप्त होने के बाद भी भारत ने बड़े पैमाने पर कूटनीतिक कवायद करते हुए पाकिस्तान के दुष्प्रचार एजेंडा को ध्वस्त किया था।

सूत्रों ने कहा चीन के साथ सीमा विवाद पर दुनिया के कई देशों की निगाह है।

ज्योतिरादित्य कोरोना पॉजिटिव
उनकी माँ भी संक्रमित पाई गई सिंधिया मैक्स अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए दिग्गज ने नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी मां माधवी राजे सिंधिया की तबीयत खराब होने के बाद दोनों को दिल्ली के मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिंधिया और उनकी मां कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। फिलहाल दोनों लोगों की हालत सामान्य बताई जा रही है।

मैक्स अस्पताल के अधिकारियों ने ईएमएस से चर्चा में बताया की सोमवार को ज्योतिरादित्य और उनकी मां माधवी राजे को गले में खराश और बुखार की शिकायत होने पर दिल्ली के साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हालांकि, कल ही दोनों का कोरोना टेस्ट किया गया था।

मंगलवार को प्राप्त उनकी टेस्ट रिपोर्ट में दोनों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। आज दूसरे दिन उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

शाह का दीदी पर वार, 10 साल के काम का हिसाब दें, बम धमाकों की संख्या मत जोड़ देना!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं को वर्चुअल रैली के जरिए संबोधित किया। शाह ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमलावर होकर केंद्र की योजनाओं का बंगाल के लोगों को लाभ ना देने का आरोप लगाया।रैली के दौरान शाह ने कहा कि ममता बनर्जी को अपने कामकाज का हिसाब देना चाहिए, लेकिन उसमें बम धमाकों की संख्या ना जोड़ें। वर्चुअल रैली के दौरान अमित शाह ने कहा, आप (ममता बनर्जी) बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके आपके दस साल का हिसाब दीजिएगा और ध्यान देना कहीं बम धमाकों की संख्या मत बता देना और भाजपा के मारे गए कार्यकर्ताओं की संख्या मत बता देना। सिर्फ काम का हिसाब देना। इस दौरान शाह ने केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाया और बंगाल सरकार पर आरोप लगाया कि आज बंगाल के लोगों को इनका लाभ नहीं मिल रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना हो या फिर किसानों के खाते में सीधे पैसे जाने की योजना हो, ममता सरकार ने मंजूरी नहीं दी है और इसकारण बंगाल के करोड़ों लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। बंगाल की सरकार पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद जब बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी,तब

बीजेपी का मुख्यमंत्री तुरंत इन दो योजनाओं को लागू करने का काम करेगा। अमित शाह ने ममता बनर्जी को चुनौती दी और कहा कि ये राजनीति की चीज नहीं है, राजनीतिक के कई और मैदान हैं आप मैदान तय कर लो, दो–दो हाथ जाए।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है,इसकारण भाजपा की ओर से अभी से ही कमर कसी जा रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां 18 सीटें जीती थीं।

बंगाल बीजेपी का आरोप, ममता सरकार ने वर्चुअल रैली में रुकवट पैदा करने कम की इंटरनेट स्पीड

कोलकाता । कोरोना संकट काल में भाजपा की ओर से वर्चुअल रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल में वर्चुअल रैली को संबोधित किया, लेकिन इस बीच भाजपा नेताओं ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाया है, कि टीएमसी सरकार ने इंटरनेट की स्पीड को कम कर दिया है, ताकि वर्चुअल रैली की लाइव फीड ना देखी जा सके। भाजपा सांसद रूपा गांगुली और सौमित्रा खान ने आरोप लगाया है कि टीएमसी की ओर से बीजेपी की वर्चुअल रैली में रुकावट पैदा की जा रही है। बंगाल में इंटरनेट की स्पीड को कम कर दिया गया है, इसके अलावा टीवी कनेक्शन को रोका जा रहा है।

बीजेपी सांसद ने कहा कि हमारी कोशिश है कि हम एक करोड़ लोगों तक अपनी बात पहुंचा सके। इतना ही नहीं बीजेपी सांसद सौमित्रा खान ने मामले पर राज्यपाल जगदीप धनखड़ को भी चिट्ठी लिखकर टीएमसी सरकार की घेराबंदी। चिट्ठी में लिखा गया कि संविधान ने विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का हक दिया है, लेकिन टीएमसी की सरकार ने कई शहरों में इंटरनेट की स्पीड को कम कर दिया है, ताकि वर्चुअल रैली का प्रसारण ना हो सके। बता दें कि बंगाल में बीजेपी और टीएमसी के बीच लगातार तलवारें खिंचती जा रही हैं। अगले साल होने वाले चुनाव से पहले आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। गौरतलब है कि कोरोना संकट की वजह से कोई बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम नहीं हो रहा है,इसकारण भारतीय जनता पार्टी ने वर्चुअल रैली का तरीका निकाला है। बीजेपी मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर 75 वर्चुअल रैली कर रही है, अभी तक अमित शाह बिहार–ओडिशा की रैली को संबोधित कर रहे हैं। उनके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी महाराष्ट्र की जनसभा को संबोधित कर चुके हैं।

पीएम मोदी से राम मंदिर का शिलान्यास कराने की तैयारी, चंपत राय करेंगे पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना संकट काल के बीच अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास कराने की तैयारी शुरू हो गई है। दिल्ली में के.पाराशरण के घर पर श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टियों की बैठक हुई है।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिलान्यास करवाने के लिए वक्त लेने और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की गई है।

बैठक में फैसला लिया गया कि चंपत राय, पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके पहले सोमवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

राम मंदिर ट्रस्ट का कैंप कार्यालय राम कचहरी चारों धाम मंदिर में बनाया गया है। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज ने राम मंदिर ट्रस्ट के कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस बीच रामजन्मभूमि परिसर में मंदिर निर्माण को लेकर तैयारी पूरी की जा चुकी है। परिसर में चल रहे समतलीकरण के बाद फाउंडेशन बनाने की तैयारी को लेकर एलएंडटी कंपनी के अधिकारियों ने परिसर में डेरा डाल दिया है।

वहीं, मंदिर निर्माण की प्रक्रिया के लिए परिसर में स्थित प्राचीन कुबेर टीला पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा।

10 जून को महंत कमल नयन दास अन्य संतों के साथ पूजन को आरंभ करने वाले हैं, जो सुबह 8:00 बजे से शुरू होकर 2 घंटे तक किया जाएगा।

इसके बाद मंदिर निर्माण कार्य शुरू होगा। माना जा रहा है कि इसी दिन मंदिर निर्माण का शिलान्यास किया जाएगा, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जाएगा।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास के मुताबिक, भगवान राम ने लंका पर विजय प्राप्ति से पहले भगवान रामेश्वरम की स्थापना कर अभिषेक किया था, इसलिए मंदिर निर्माण से पहले भगवान शशांक शेखर का पूजन किया जाएगा।

यूपी शिक्षक भर्ती घोटालाः टॉपर गिरफ्तार, प्रयागराज में हुई परीक्षा हो सकती है रद्द

लखनऊ (एजेसी)। यूपी में शिक्षक भर्ती घोटाला में परीक्षा के टॉपर को गिरफ्तार किया गया है। प्रयागराज के सोरावं थाना क्षेत्र से टॉपर को गिरफ्तार किया गया है। मामले में 50 से अधिक अभ्यर्थियों की तलाश पुलिस कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, अभ्यर्थी 8 से 10 लाख रुपए देकर पास हुए हैं। प्रयागराज के दर्जनों सेंटरों पर हुई परीक्षा पूरी तरह से रद्द हो सकती है।

दरअसल, एक खबर आई थी कि शिक्षक भर्ती परीक्षा में 150 में से 142 नंबर पाने धर्मेंद्र कुमार पटेल को देश के राष्ट्रपति का नाम तक नहीं पता है। धर्मेंद्र जनरल नॉलेज के आसान सवालों के भी जवाब नहीं दे सके।

मामले में एसएसपी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने 5 जून को बताया था कि प्रतापगढ़ निवासी राहुल सिंह ने सोरांव थाने में पूर्व जिला पंचायत डॉक्टर कृष्ण लाल पटेल समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था

कि 69000 सहायक शिक्षा भर्ती में आरोपियों ने परीक्षा पास कराने के लिए 7.50 लाख कैश दिया था।

एसएसपी के मुताबिक, एक जून को रिजल्ट आया, तब पता चला कि राहुल का नाम उसमें नहीं है। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई थी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आठ नामजद आरोपियों में 7 को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

उनके पास से 756000 नकद और अन्य डाक्यूमेंट्स मिले थे।

वहीं, प्रयागराज एएसपी अशोक वेंकटेश ने कहा था कि 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती में फर्जीवाड़ा हुआ है।

उन्होंने बताया कि टॉपर लिस्ट में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से मिली डायरी में परीक्षा में बैठे 20 लोगों के नाम सामने आए। इसमें से 18 लोगों के सलेक्ट होने की बात सामने आई है। मामले में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा था कि 69 हजार शिक्षक भर्ती घोटाला उत्तर प्रदेश का व्यापम घोटाला है।मामले में गड़बड़ी के तथ्य सामान्य नहीं हैं।

डायरियों में स्टूडेंट्स के नाम, पैसे का लेनदेन, परीक्षा केंद्रों में बड़ी हेरफेर, इन गड़बड़ियों में रैकेट का शामिल होना। ये सब दर्शाता है कि इसके तार काफी जगहों पर जुड़े हैं।

पति की गर्भवती प्रेमिका को घर के बाहर बुलाकर फिल्मी स्टाइल में मारी गोली

मुरादाबाद (एजेंसी)। यूपी के मुरादाबाद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। महिला ने अपनी सौतन को घर के बाहर बुलाकर उसके ऊपर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। सौतन को गोलियां मारने के बाद महिला इलाके में रिवॉल्वर लेकर घूमती रही। महिला को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी वाली बात यह है कि महिला ने बंदूक चलाना यूट्यूब से सीखा था। घटना सिविल लाइंस थाना इलाके की है। पुलिस ने बताया कि विद्यानगर के रहने वाले ट्रांसपोर्टर मुहम्मद जफर ने शबाना से शादी की थी। उसके पांच बच्चे हैं। शबाना को डेढ़ साल पहने पता चला कि उनके पति के एक दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध हैं। शबाना ने बताया कि उसने कई बार पिता को महिला से अवैध संबंध तोड़ने को कहा लेकिन पति नहीं माना। बीते दिनों शबाना को

पता चला कि महिला आलिया गर्भवती हो गई है। जिसके बाद शबाना तिलमिला गई।

पूछताछ में शबाना ने बताया कि बीते दिनों उसके घर में चोरी हुई थी,इसके बाद पति ने रिवॉल्वर लाकर दी थी। शबाना ने आलिया को मारने के लिए यू ट्यूब पर बंदूक चलाना सीखा। वह कई दिनों से फायरिंग करना सीख रही थी ताकि उसका निशाना न चूके। शबाना ने आलिया के घर का पता लगाकर उसके घर पहुंची। आलिया को घर के बाहर बुलाकर उसके ऊपर चार गोलियां चला दीं। गोलियां चलाने के बाद वह बंदूक लेकर पैदल ही इलाके में घूमती रही। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शबाना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आलिया के कई नाम है। लोग उस पिंकी शर्मा, मानसी शर्मा, श्वेता भारद्वाज, मंगल के नाम से जानते हैं। वह बिजनौर के नूरपुर की रहने वाली थी। उसका अपने पहले पति के साथ विवाद हो गया था, जिसके बाद वह जफर के साथ संबंध में रहने लगी थी। उसका पहले पति से एक बेटा भी है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

संपादकीय

आभार न्यूजीलैंड

कोरोना से लड़ाई में न्यूजीलैंड की कामयाबी जितनी सुखद है, उससे कहीं ज्यादा अनुकरणीय है। लगभग एक महीने से वहां संक्रमण का एक भी नया मामला सामने नहीं आना और एकमात्र सक्रिय मरीज का ठीक हो जाना पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, तो कोई आश्चर्य नहीं। न्यूजीलैंड और उसकी प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की तारीफ करते हुए दुनिया के तमाम देशों को देखना चाहिए कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई कैसे सफलतापूर्वक लड़ी जा सकती है। जैसे ही न्यूजीलैंड में कोरोना के मामले 100 तक पहुंचे थे, वहां पूरी कड़ाई से लॉकडाउन लगाया गया था। लोगों ने भी घर से निकलना उचित नहीं समझा, सरकार की अपील और दिशा-निर्देशों की पालना में सबने खुद को समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री जेसिंडा ने शुरू में ही कह दिया था, 'हमारे पास कुछ करने का मौका है। आइए, वायरस के खिलाफ कुछ ऐसा करें, जो कोई देश नहीं कर पाया है'। जेसिंडा पहले ही अपने लोगों का विश्वास जीत चुकी हैं, तो लोगों ने भी पूरे प्रयास से उस विश्वास को मजबूती दी। जब कोरोना का आखिरी मरीज भी ठीक हो गया, तब प्रधानमंत्री ने अनायास नृत्य किया और देश से भी अपनी खुशी साझा की। यह उस देश के लिए वाकई उत्सव का समय है। यदि अब कोरोना संक्रमण बाहर से नहीं आता है, तो न्यूजीलैंड को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। जाहिर है, वहां लॉकडाउन मजबूरी में नहीं, बल्कि खुशी-खुशी खुला है। दुनिया के लिए यह अध्ययन का विषय है कि न्यूजीलैंड ने ऐसा कैसे कर दिखाया। अव्वल तो कड़ाई से लागू किया गया लॉकडाउन पहला कारण है, जिसकी हम चर्चा कर चुके हैं। दूसरा सबसे बड़ा कारण है, कोरोना की जांच में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना। औसतन प्रति एक लाख व्यक्तियों में से करीब 2,200 की कोरोना जांच की गई है। इतनी जांच तो अमेरिका भी नहीं कर रहा है। अमेरिका में जांच दर प्रति लाख पर 1,420 के करीब है। भारत की बात करें, तो प्रति दस लाख पर करीब 2,000 जांच की दर है। मोटे तौर पर न्यूजीलैंड में भारत की तुलना में 11 गुना ज्यादा जांच दर रही है। नतीजा सामने है। न्यूजीलैंड अपने यहां कुल मामलों को 1,504 पर रोक पाया और यदि वहां केवल 22 लोगों की मौत हुई, तो इसका सबसे ज्यादा श्रेय वहां हुई अधिकतम कोरोना जांच को ही दिया जाएगा। फैले संक्रमण की पूरी चौकसी करते हुए जांच की गई, मरीजों को आशंका के आधार पर क्वारंटीन किया गया और वायरस की कड़ी जगह-जगह पूरी कड़ाई से तोड़ दी गई। लोगों ने भी सच्चे नागरिक होने का कर्तव्य निभाया और वहां सात सप्ताह के कड़े लॉकडाउन में ही कोरोना से मुक्ति मिल गई। वह आज मिसाल है। क्या बड़े या बड़ी आबादी वाले देश अपने यहां छोटे-छोटे न्यूजीलैंड बनाकर कोरोना को मात दे सकते हैं? इस पर विचार और व्यवहार की जरूरत है। कोरोना को लेकर कुछ प्रचलित धारणाएं भी टूटी हैं। एक धारणा यह है कि संक्रमण जब एक निश्चित मुकाम पर पहुंचेगा, तभी उसमें गिरावट आएगी, लेकिन न्यूजीलैंड ने इस धारणा को धता बता दिया है। न्यूजीलैंड ने इस भ्रम को भी तोड़ दिया कि किसी लोकतांत्रिक देश में कोरोना से लड़ाई आसान नहीं है। वाम-शासित चीन ही नहीं, अब लोकतांत्रिक न्यूजीलैंड भी है, जो चौतरफा लड़ती दुनिया के लिए तब तक प्रेरणास्रोत रहेगा, जब तक कोरोना है।

आज के ट्वीट

झंडा

चाइना प्रेम राष्ट्रवाद है तो फिर ये राष्ट्रवाद कांग्रेस को मुबारक। दुश्मन देश चाइना की तारीफ और अपने देश की बुराई ऐसी विदेश नीति कांग्रेस की ही हो सकती है।देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में है और देश की सेना पर हमें गर्व है। रही बात फिल्म की देश का झंडा ऊंचा किया तभी फिल्म बनी है। -- बबीता फोगाट

नये दौर की आर्थिकी में ढलिये देश को

भरत झुनझुनवाला

अर्थव्यवस्था के अगले चरण में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दबदबा रहेगा। मैन्युफैक्चरिंग यानी भौतिक माल के उत्पादन में रोबोट का उपयोग बढ़ेगा। चीन में ऐसी फैक्टरियां स्थापित हो चुकी हैं, जिनमें एक भी श्रमिक काम नहीं करता है। सम्पूर्ण काम जैसे कच्चे माल को ट्रक से उतारना, उसे मशीन में डालना और फिर तैयार माल को बाहर जाने वाले ट्रक में लोड करना इत्यादि सभी काम रोबोट द्वारा किये जाते हैं। इसी प्रकार बौद्धिक कार्य भी कंप्यूटर द्वारा किये जाने लगेंगे चूंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास हो चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कंप्यूटर द्वारा किसी विषय पर बहुत अधिक मात्रा में डाटा को खंगाला जाता है और उसके आधार पर वह कंप्यूटर आपको सारांश बताता है। जैसे यदि डॉक्टर को मरीज का परीक्षण करना है तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा मरीज के इतिहास, ब्लड रिपोर्ट, ब्लड प्रेशर इत्यादि तमाम सूचना को खंगाला जाएगा, उसको डाइजेस्ट किया जायेगा और उसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाक्टर को सलाह देगा कि कंप्यूटर की गणित के अनुसार उस मरीज को क्या बीमारी होने की सम्भावना है और उसके उपचार के लिए क्या सुझाव है। डॉक्टर का कार्य सिर्फ इतना होगा कि उस मरीज की परिस्थिति को समझते हुए वह कंप्यूटर द्वारा बताये गये विकल्पों में जो उसे उपयुक्त लगे, उसका चयन करे। लेकिन पूरी सूचना जैसे ब्लड रिपोर्ट और ब्लड प्रेशर इन सबको सोचने-समझने की डॉक्टर को जरूरत नहीं पड़ेगी। एक ही डॉक्टर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से बहुत अधिक संख्या में रोगियों का उपचार कर सकेगा। इस परिस्थिति में हमारे सामने संकट है। हमें विशाल जनसंख्या को रोजगार उपलब्ध कराना है जो कि फैक्टरियों और दफ्तरों दोनों में ही कम होता चला जायेगा। इस परिस्थिति में एक उपाय यह है कि हम भी स्वयं रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बनाने की तरफ बढ़ें। इन कार्यों में रोजगार बनायें जैसे रोबोट बनाने की फैक्टरियां स्थापित करें, जिससे कि हम पूरे विश्व को रोबोट सप्लाई कर सकें। अथवा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रोग्राम बनाएं, जिससे कि डॉक्टर को सही सुझाव देने की हमारे प्रोग्राम की क्षमता हो। यह सही दिशा है लेकिन मेरे आकलन में हमारी विशाल जनसंख्या के लिए इस कार्य में बहुत रोजगार उत्पन्न नहीं हो सकेंगे। हमें दूसरे उपाय भी ढूंढ़ने पड़ेंगे।

इस समय हमारे नागरिक विशेषकर युवा स्मार्ट फोन से परिचित हो चुके हैं। आज स्मार्ट फोन में शेयर मार्केट में खरीद-बेच करना, ऑनलाइन ट्यूटोरियल देना, दस्तावेज का ट्रांसलेशन करना, वीडियो को एडिट करना इत्यादि सारे कार्य किये जा रहे हैं। आने वाले समय में इस प्रकार के कार्यों की मांग विशेषत: बढ़ेगी। जापानी दस्तावेज को जर्मन में ट्रांसलेशन करने की समाज को अधिकाधिक जरूरत पड़ेगी क्योंकि वैश्वीकरण हो ही रहा है और हर देश का नागरिक जानकारी चाहता है कि दूसरे देश में क्या हो रहा है। इस प्रकार के कार्यों को हमारे युवा स्मार्ट फोन पर आसानी से कर सकते हैं। इसलिए हमको रोजगार उत्पन्न करने के लिए स्मार्ट फोन आधारित सेवाएं जैसा ऑनलाइन ट्यूटोरियल देना, ट्रांसलेशन, वीडियो एडिट करना इत्यादि पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस रास्ते पर रोजगार बनाने का एक विशेष लाभ यह है कि इससे हम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सीधे अपने माल को बेच सकते हैं। दरभंगा में बैठा युवा जापानी से जर्मन में ट्रांसलेशन करके उस दस्तावेज को जर्मनी को सप्लाई कर सकता है। इसलिए स्मार्ट फोन आधारित सेवाओं को बढ़ाने के लिए हमें विशेष प्रयास करने चाहिए। तीसरा उपाय यह है कि दूसरे देशों की तुलना में भारत में अंग्रेजी ज्यादा अच्छी है। भारत सरकार एक कार्यक्रम ला सकती है, जिसमें हम अपने युवाओं की अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका और एशिया के दूसरे विकासशील देशों को मुफ्त सेवाएं उपलब्ध कराएं। इसके कई लाभ होंगे। पहला यह कि हमारे युवाओं को रोजगार मिलेगा। दूसरा यह कि हमारी वैश्विक पहुंच बनेगी। वर्तमान में चीन सम्पूर्ण विश्व में अपनी पैठ बनाने की ओर बढ़ रहा है। चीन अपने धन बल के आधार पर दूसरे देशों में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा है। हमारे पास चीन के समकक्ष धन बल नहीं है। लेकिन हमारे पास शिक्षा बल है। इसलिए हम अपने युवाओं को एक कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्ण विश्व के विकासशील देशों में सेवा देने के लिए भेज सकते हैं। अमेरिका ने 1960 के दशक में पीस कोर नाम का एक कार्यक्रम बनाया था। उसमें अमेरिकी युवाओं को कुछ समय के लिए विकासशील देशों में सेवा करने के लिए भेजा जाता था। इसी प्रकार का कार्यक्रम लेकर भारत दूसरे देशों को शिक्षा सप्लाई कर सकता है। ऐसा करने से भारी संख्या में अपने देश में रोजगार बनेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट फोन आधारित सेवाओं के विस्तार में सबसे बड़ी बाधा हमारी शिक्षा व्यवस्था है। हमारी शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य अभी भी मूल रूप में सरकारी नौकरी हासिल करने का है। युवा कालेज में इसलिए नहीं जाते कि विषय का ज्ञान हो और वे कुछ नया सीख सकें और कर सकें। वे इसलिए जाते हैं कि उन्हें एक डिग्री का सर्टिफिकेट मिल जाये, जिससे कि वे सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने के लायक हो जाएं और घूस देकर उसे प्राप्त कर लें। हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को स्मार्ट फ़ोन की तरफ मोड़ना होगा। यहां बाधा यह है कि सरकारी शिक्षकों की सेवाएं सुरक्षित हैं। वे बच्चों को पढ़ायें या न पढ़ायें, उनके प्रश्नों का उत्तर दें या न दें, होमवर्क चैक करें या न करें उनका वेतन सुरक्षित है। यदि किसी शिक्षक की क्लास में बच्चे अधिक संख्या में फेल होते हैं तो उसके ऊपर कोई गाज नहीं गिरती है। इसलिए यदि हमको आने वाले समय में अपने युवाओं को स्मार्ट फोन आधारित शिक्षा देनी है तो अपनी सरकारी शिक्षा का स्वरूप बदलना होगा। उपाय यह है कि हम हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी के बजट में हर वर्ष 25 प्रतिशत की कटौती कर दें। उन्हें कहें कि वह इस रकम को सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्सों से अर्जित करे, जिससे कि कॉलेजों के लिए जरूरी हो जाये कि वे अच्छी शिक्षा दें, जिससे कि वे बच्चों को कालेज में ऊंची फीस देकर दाखिला लेने के लिए आकर्षित कर सकें। ऐसा करने से हमारी शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप बदलेगा, हमारे शिक्षक वास्तव में इस प्रकार की शिक्षा देंगे, जिससे युवाओं को स्मार्ट फोन आधारित रोजगार मिल सकेगा, हमारी अर्थव्यवस्था चल निकलेगी और हमारी वैश्विक पैठ भी बनेगी।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

समस्या

आचार्य रजनीश ओशो/ अगर दुनिया खत्म हो जाए तो समस्या क्या है? मुझसे यह कई बार पूछा गया है, लेकिन समस्या क्या है? अगर वह खत्म होती है तो होती है। उसमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि हम यहां नहीं रहेंगे, हम उसके साथ समाप्त हो जाएंगे और चिंता करने के लिए भी कोई नहीं रहेगा। यह वस्तुत- भय से सबसे बड़ी मुक्ति होगी। दुनिया का अंत होने का मतलब है हर समस्या का अंत, तुम्हारे पेट की हर गांठ का अंत। मुझे कोई समस्या नहीं दिखाई देती, लेकिन मैं जानता हूं कि हर कोई भयभीत है। लेकिन सवाल वही है- यह भय मन का हिस्सा है। मन डरपोक है, और डरपोक होना स्वाभाविक है क्योंकि उसमें कोई सार तत्व नहीं है, वह खाली और शून्य है, और वह हर बात से डरता है। और मूलत: वह इससे डरता है कि एक दिन तुम जाग सकते हो। वह सचमुच दुनिया का अंत होगा! दुनिया का अंत इस अर्थ में कि तुम्हारा जाग जाना, तुम्हारा ध्यान की स्थिति को उपलब्ध हो जाना, वहां मन को विदा होना पड़ता है, वह असली भय है। यह भय लोगों को ध्यान से दूर रखता है, उन्हें मेरे जैसे लोगों का दुश्मन बनाता है जो ध्यान का स्वाद फैला रहे हैं, जो होश और साक्षीभाव का उपाय बता रहे हैं। लोग मेरे खिलाफ हो जाते हैं, वह अकारण नहीं, उनका भय जायज है। उन्हें इसका होश न हो, लेकिन उनका मन सचमुच भयभीत है उस बात के करीब आने से जो ज्यादा सजगता पैदा कर सकती है। वह मन के अंत की शुरु आत होगी। वह मन की मृत्यु होगी। लेकिन तुम्हें कोई भय नहीं है, मन का अंत तुम्हारा पुनर्जन्म होगा, तुम्हारा वास्तव में जीने का प्रारंभ। तुम्हें प्रसन्न होना चाहिए, तुम्हें मन की मृत्यु में खुशी मनाना चाहिए क्योंकि उससे बड़ी स्वतंत्रता नहीं है। अन्य कोई बात तुम्हें आकाश में उड़ने की स्वतंत्रता नहीं देगी, अन्य कोई बात पूरा आकाश तुम्हारा नहीं करेगी। मन एक कारागृह है। सजगता है कारागृह से बाहर जाना या इसका बोध होना कि वह कभी कारागृह में था ही नहीं, वह सिर्फ सोच रहा था कि वह कारागृह में था। फिर पूरा भय नदारद हो जाता है। मैं भी उसी दुनिया में जी रहा हूं लेकिन मुझे एक क्षण भी कोई भय नहीं लगा क्योंकि मुझसे कुछ भी छीना नहीं जा सकता। मेरी हत्या की जा सकती है लेकिन मैं उसे भी होते हुए देखूंगा, तो जो मारा जा रहा है वह मैं नहीं हूं, मेरी सजगता नहीं है। जीवन में बड़ी से बड़ी खोज, सबसे कीमती खजाना है सजगता। उसके बगैर तुम अंधकार में ही रहोगे।

आज का राशिफल

मेष — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला — आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

महिला प्रधान न्यायाधीश के इंतजार में देश

अनूप भटनागर

हमारे देश की न्यायपालिका में महिला न्यायाधीशों की भागीदारी में इजाफा हुआ है लेकिन भारत को अभी भी पहली महिला प्रधान न्यायाधीश का इंतजार है। यह इंतजार काफी लंबा हो सकता है क्योंकि फरवरी, 2027 तक ऐसी कोई संभावना नहीं है। उच्चतम न्यायालय में इस समय न्यायाधीशों के दो पद रिक्त हैं। इनके अलावा, न्यायमूर्ति आर. भानुमति और न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा इस साल जुलाई और सितंबर में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। चूंकि ऐसी स्थिति में शीर्ष अदालत में चार न्यायाधीशों की नियुक्ति होनी है, इसलिए कॉलेजियम चाहे तो किसी ऐसी महिला न्यायाधीश को पदोन्नति देने की सिफारिश कर सकती है, जिसे आगे चलकर देश की प्रथम महिला प्रधान न्यायाधीश होने का गौरव हासिल हो सके। हम भले ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानता खत्म करने के लिए भरसक प्रयास करने का दावा करते हों, लेकिन आज भी कई शीर्ष और महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपने में हमारी सोच बाधक बन जाती है। देश में संविधान लागू होने के सात दशक बाद भी न्यायपालिका के इस शीर्ष पद पर किसी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं होना अनेक सवाल खड़े करता है। हमारे देश में अगर महिलाएं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यों में मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालयों की बागडोर संभाल सकती हैं तो फिर देश की प्रधान न्यायाधीश क्यों नहीं बन सकतीं? उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति और उन्हें पदोन्नति देने की सिफारिश करने का अधिकार इस समय न्यायपालिका के हाथ में ही है, इसलिए मौलिक अधिकारों की रक्षा और लैंगिक न्याय दिलाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने वाली न्यायपालिका को ही इस दिशा में पहल करनी होगी ताकि आने वाले सालों में देश को पहली महिला प्रधान न्यायाधीश मिल सके। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश पद पर नियुक्ति के साथ ही पता चल जाता है कि अमुक न्यायाधीश प्रधान न्यायाधीश बनेंगे, तो कितने समय के लिए, या नहीं। ऐसी स्थिति में महिला न्यायाधीश को देश की प्रथम महिला प्रधान न्यायाधीश बनने का गौरव प्रदान करने के लिए शीर्ष अदालत की कॉलेजियम को ही पहल करनी होगी। लेकिन मौजूदा दौर में तो यह मृगतृष्णा ही लगती है। कॉलेजियम के लिए ऐसा करना नामुमकिन नहीं है। हाल के बरसों में ऐसा हुआ है। वरिष्ठ अधिवक्ता उदय यू. ललित की सीधे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद नियुक्ति के समय ही यह साफ हो गया था कि वह 2022 में देश के प्रधान न्यायाधीश भी बनेंगे। कॉलेजियम चाहे तो विलक्षण प्रतिभा की धनी और पर्याप्त अनुभव रखने वाली किसी महिला अधिवक्ता को इस तरह से सीधे शीर्ष अदालत में नियुक्त करने की सिफारिश कर सकती है, जिससे कि वह देश के प्रधान न्यायाधीश पद तक पहुंच सके। इसके लिए बार से ही किसी अनुभवी महिला अधिवक्ता का चयन करने पर विचार किया जा सकता है और ऐसा नहीं होने की स्थिति में उच्च न्यायालय में पदासीन किसी वरिष्ठ महिला न्यायाधीश के नाम पर विचार हो सकता है। इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में महिला न्यायाधीशों की भागीदारी बढ़ने के बावजूद देश को अभी तक महिला प्रधान न्यायाधीश से वंचित रखने के मामले में न्यायाधीश पद के लिए चयन और पदोन्नति की मौजूदा व्यवस्था काफी हद तक जिम्मेदार है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुरुष प्रधान सोच अधिक हावी रहती है।

उच्चतम न्यायालय में इस समय तीन महिला न्यायाधीश— न्यायमूर्ति आर भानुमति, न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी हैं। न्यायमूर्ति भानुमति 19 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रही हैं जबकि न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा का कार्यकाल 13 मार्च, 2021 और न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी का कार्यकाल 23 सितंबर, 2022 तक है। देश में पहली बार छह अक्तूबर, 1989 को केरल की न्यायमूर्ति एफ. फातिमा बीवी, जो बाद में राज्यपाल भी बनीं, को शीर्ष अदालत का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वह अप्रैल, 1992 तक इस पद पर रहीं। इसके बाद, न्यायमूर्ति वी. सुजाता मनोहर नवंबर, 1994 से अगस्त, 1999 तक, न्यायमूर्ति रूमा पॉल जनवरी, 2000 से जून, 2006 तक, न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा अप्रैल, 2010 से अप्रैल, 2014 तक और न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई सितंबर, 2011 से अक्तूबर, 2014 तक शीर्ष अदालत की न्यायाधीश रहीं। मौजूदा समय में उच्च न्यायालयों में महिला न्यायाधीशों के कार्यकाल के आधार पर कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति बी. वेंकटरमैया नागरत्न इस पद के लिए दावेदार हो सकती हैं, बशर्ते कॉलेजियम शीर्ष अदालत में पदोन्नति के लिए समय रहते उनके नाम की सिफारिश करे और सरकार बगैर किसी नुक्ताचीनी के उसे मंजूरी दे। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति नागरत्न का कार्यकाल 29 अक्तूबर, 2024 तक है। अगर कॉलेजियम न्यायमूर्ति नागरत्न को पदोन्नति देकर शीर्ष अदालत का न्यायाधीश बनाने की सिफारिश करता है और सरकार उसे स्वीकार कर लेती है तो उनका कार्यकाल तीन साल बढ़ जायेगा। इस तरह, वह आठ महीने के लिए देश की प्रथम महिला प्रधान न्यायाधीश बन सकती हैं।

नवजात बच्ची को लेकर भटकता रहा फुटबालर, अस्पतालों ने भर्ती नहीं किया

कोलकाता । कोलकाता के क्लब लाइबेरियन के लिए खेलने वाले फुटबालर अंशुमान क्रोमाह और उनकी पत्नी को अपनी नवजात बीमार बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि अधिकतर अस्पतालों ने यह कहते हुए उनकी बच्ची को भर्ती करने से मना कर दिया कि वे कोविड-19 मरीजों का इलाज करने में व्यस्त हैं। क्रोमाह ने कहा कि उनकी बेटी बिंदु की हालत अब बेहतर है और बच्ची को पार्क स्ट्रीट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले साल कलकत्ता फुटबाल लीग (सीएफएल) में ऐतिहासिक खिताब के दौरान पीयरलेस एससी की अगुआई करने वाले क्रोमाह पिछले सप्ताह ही पिता बने थे, लेकिन उनकी नवजात बेटी में पीलिया के लक्षण दिखाई देने लगे। क्रोमाह और पूजा बिंदु को श्यामबाजार नर्सिंग होम ले गए, जहां उसका जन्म हुआ था लेकिन उन्होंने बेड उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया। क्रोमाह ने मंगलवार को आईएएनएस से कहा, अब वह अच्छी है और हम डॉक्टर के रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। बच्ची को भर्ती कराने से पहले मुझे काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। मैं अपनी बेटी के साथ तीन अलग अस्पतालों में गया और एक ने तीन घंटे बैठाने के बाद भर्ती करने से इनकार कर दिया।

सचिन ने 50 ओवरों के बाद दूसरी नई गेंद इस्तेमाल करने का सुझाव दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कोरोनावायरस खतरे के कारण गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने जा रही है और इस बीच दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने इस बात पर चर्चा की कि कोविड-19 के बीच लार के प्रतिबंध का क्रिकेट पर क्या असर पड़ेगा, खासकर टेस्ट में। 100 एमबी साइट पर एक वीडियो पोस्ट की गई है, जिसमें ब्रेट ली ने सचिन के साथ बातचीत के दौरान कहा, यह एक मुश्किल फैसला है क्योंकि यह कुछ ऐसा है, जिसे हमने अपने पूरे जीवन के दौरान किया है। आठ-नौ साल की उम्र से ही हमें गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया था। इसलिए, अगर अचानक आपको कुछ अलग बताया जाएगा है तो आप वैसा नहीं कर सकते। इस पर पॉलिश करना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले समय में गेंदबाजों के लिए यह काफी कठिन होगा। ली ने कहा कि ऐसे में अधिक स्पोर्टिंग विकेट बनाने की जरूरत होगी जो गेंजबाज और बल्लेबाज को समान रूप से मदद करे। ब्रेट ली ने कहा, मैं हरी पिच की बात नहीं कर रहा हूं, जहां पर टीम 130 या उससे ज्यादा पर आल आउट हो जाती है। लेकिन, आपको तेज गेंदबाजों के लिए कुछ तो करने की जरूरत है।

भारत के महान बल्लेबाज सचिन ने कहा कि आईसीसी एक टेस्ट पारी में 50 ओवरों के बाद दूसरी नई गेंद का इस्तेमाल करने के बारे में सोच सकती है। अभी 80 ओवर के बाद गेंद बदली जाती है। सचिन का मानना है कि ठंडे मौसम में जब खिलाड़ी ज्यादा पसीना नहीं बहाते हैं, तो गेंद को चमकाना ज्यादा मुश्किल हो जाएगा और गेंदबाजों के लिए ज्यादा नुकसानदेह होगा। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा, गेंद को चमकाने के लिए लार की गैर मौजूदगी में प्रत्येक पारी में कुछ निश्चित मात्रा में मोम का इस्तेमाल करने की इजाजत दी जानी चाहिए।

कपिल और भुल्लर डीजीसी में 11 जुलाई को चैरिटी गोल्फ मुकाबला खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शीर्ष गोल्फर शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर तथा पूर्व भारतीय क्रिकेटर कपिल देव और मुरली कार्तिक कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई के लिए धनराशि जुटाने के इरादे से 11 जून को दिल्ली गोल्फ क्लब (डीजीसी) में चैरिटी मुकाबले में हिस्सा लेंगे। यह मुकाबला नए सिरे से तैयार डीजीसी पर 18 होल में खेला जाएगा और इससे मिलने वाली धनराशि कोविड-19 के खिलाफ प्रयासों में एनजीओ 'मैजिक बस' की मदद के लिए दी जाएगी। 'चैंपियन्स फोर ए कॉज-चैरिटी गोल्फ मैच'' में महान क्रिकेटर कपिल एशियई टूर पर नौ बार के विजेता और अर्जुन पुरस्कार

विजेता गगनजीत भुल्लर के साथ जोड़ी बनाएंगे। कपिल और भुल्लर की जोड़ी का सामना पूर्व भारतीय स्पिनर कार्तिक और यूरोपीय टूर पर दो बार के विजेता शुभंकर की जोड़ी से होगा। विश्व कप 1983 जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे कपिल ने कहा, ''देश जब इस तरह की चुनौती का सामना कर रहा है तब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम जो भी थोड़ी बहुत मदद कर सकते हैं वह करें। यह शानदार पहल है और एक खिलाड़ी के रूप में यह मुझे सर्वश्रेष्ठ पेशेवर खिलाड़ियों से भिड़ने का रोमांच देती है।'

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम डीआईसीसी विश्व कप-2021 में लेगी हिस्सा

नई दिल्ली । भारतीय बधिर क्रिकेट टीम डीआईसीसी विश्व कप-2021 में शिरकत करेगी। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने इस बात की जानकारी दी। टीम को इसका आमंत्रण दक्षिण अफ्रीका स्थित डेफ-इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से मिला है। आईडीसीए के अध्यक्ष समित जैन ने एक बयान में कहा, हम आमंत्रण मिलने पर काफी खुश हैं और आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमारी टीम की काबिलियत समय-समय पर देखी गई है। उन्होंने पिछले टूर्नामेंट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही विश्व कप-2021 में खेलने का आमंत्रण मिलना हमारे खिलाड़ियों की मेहनत का सम्मान है। यह वनडे विश्व कप अगले साल संयुक्त अरब अमिरात (यूएई) में 19 से 29 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा।

DEAF CRICKET SOCIETY

आईसीसी ने टेस्ट में कोविड-19 सब्सीट्यूट को दी मंजूरी

दुबई (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने खेल नियमों में अंतरिम बदलाव किए हैं जिसमें गेंद को चमकाने के लिए सलाइवा पर प्रतिबंध और अंतर्राष्ट्रीय मैचों में घरेलू अंपायरों को मंजूरी देना शामिल है। आईसीसी ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) ने अनिल कुंबले की नेतृत्व वाली क्रिकेट समिति की सिफारिशों को कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने और खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंजूरी दी है। आईसीसी ने टेस्ट मैच में किसी खिलाड़ी को कोविड-19 होने की स्थिति में उसके सब्सीट्यूट को खेलने की मंजूरी दे दी है। यह टी-20 और वनडे में लागू नहीं होगा। सलाइवा के बैन को लेकर आईसीसी ने कहा है कि खिलाड़ी गेंद को चमकाने के लिए इसका उपयोग नहीं कर सकेंगे और अगर शुरुआत में कोई खिलाड़ी ऐसा करता दिखता है तो अंपायर फौरी राहत दे सकते हैं लेकिन ऐसा बार-बार करने पर टीम को चेतावनी दी जाएगी। टीम को एक पारी में दो बार चेतावनी दी जाएगी, लेकिन हरकत के दोहराव पर टीम पर पांच रनों की पेनाल्टी लगाई जाएगी। गेंद पर जब भी सलाइवा लगाया जाएगा, तब अंपायर उस गेंद को साफ करेंगे। साथ ही मैचों में तटस्थ अंपायर नहीं होंगे। उन्हें अस्थायी तौर पर खेल से हटा दिया गया है। आईसीसी अपने इलीट पैनल में से स्थानीय मैच अधिकारियों की नियुक्ति करेगी। इसके साथ ही हर पारी में अतिरिक्त डीआरएस रिव्यू की भी मंजूरी दी गई है। अब हर टीम टेस्ट में हर पारी में तीन रिव्यू और सीमित ओवर क्रिकेट में जो रिव्यू ले सकेगी। यह फैसला इस बात को ध्यान में रखकर किया गया है कि मौजूदा हालात में ऐसे मौके आ सकते हैं जब कम अनुभवी अंपायर सेवा दे रहे हों।

संक्षिप्त समाचार

एटीपी ने बेरोजगार कोचों की मदद के लिये नया कार्यक्रम शुरू किया

न्यूयार्क: विश्व में पुरुष टेनिस की संचालन संस्था एटीपी ने अपने बेरोजगार कोचों की मदद के लिये नया कार्यक्रम शुरू किया है जिसमें शीर्ष प्रशिक्षकों के कोचिंग सबक नीलाम किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों को सेरेना विलियम्स, नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल या रोजर फेडरर के साथ काम करने वाले कोचों या फिर पूर्व खिलाड़ियों जैसे इवान लेंडल, बोरिस बेकर या गोरान इवानिसेविच से सीख लेने का मौका मिलेगा। एटीपी ने इसके लिये बोली प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी है और यह 29 जून तक चलेगी। इससे मिलने वाली राशि से उन टेनिस कोच की मदद की जाएगी जो कोरोना वायरस महामारी के कारण बेरोजगार हो गए हैं। इसमें से कुछ राशि कोविड-19 वैश्विक राहत कोष में भी दी जाएगी।

स्पेन में फुटबॉल मैचों से पहले रखा जाएगा एक मिनट का मौन

मेड्रिड। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल महासंघ और ला लीगा ने सोमवार को घोषणा की कि इस सप्ताह से शुरू होने वाले सभी फुटबॉल मैचों से पहले उन सभी लोगों की याद में एक मिनट का मौन रखा जाएगा जो कोरोना वायरस के कारण मारे गए हैं। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल महासंघ और ला लीगा ने बताया कि स्पेन में इस सप्ताह से शुरू होने वाले शेष सत्र के सभी प्रोफेशनल और एमेच्योर मैचों से पहले कोरोना वायरस के कारण जान गंवाने वाले हजारों लोगों की याद में एक मिनट का मौन रखा जाएगा। स्पेन में कोरोना से अब तक 2,41,550 लोग संक्रमित हुए है जबकि 27,136 लोगों की मौत हो चुकी है।

सुनील छेत्री मेरी पहली पसंद नहीं थे : सुखविंदर सिंह

नई दिल्ली । भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कोच सुखविंदर सिंह ने कहा कि सुनील छेत्री उनकी पहली पसंद नहीं थे और टीम के मौजूदा कप्तान को लेकर उनके मन में शंका थी। सुखविंदर ने एआईएफएफ डॉट कॉम से बात करते हुए कहा, बाइचुंग भूटिया मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे यह मेरे लिए बुरे सपने के जैसा था। उस समय हम पाकिस्तान में थे और मैं जानता था कि दबाव काफी ज्यादा होगा। मुझे ऐसा कोई खिलाड़ी चाहिए था जो चतुर हो, उसमें डर न हो और तेज भी हो। छेत्री ने 2005 में ही पाकिस्तान के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल में पदार्पण किया था। 12 जून को छेत्री अंतर्राष्ट्रीय स्तर में अपने 15 साल पूरे कर लेंगे। सुखविंदर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो छेत्री मेरे दिमाग में थे ही नहीं। वह मेरे पहले विकल्प नहीं थे। मैंने आस-पास देखा और मुझे हैरानी हुई की खाली जगह को कौन भरेगा। तब मैंने उनके बारे में सोचा लेकिन मुझे उनको लेकर शंका थी। पूर्व कोच ने कहा, मैं सोच रहा था कि उनकी लंबाई कम है और वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शारीरिक तौर पर मजबूत डिफेंडरों के सामने कैसे खेलेंगे। लेकिन मैं उन्हें जानता था क्योंकि जेसीटी में वो मेरी कोचिंग में खेले थे। वहां उन्होंने बताया था कि वह क्या कर सकते हैं। इसलिए मैंने अपनी कोचिंग की आवाज को सुना और उन्हें मौका दिया। उन्होंने मुझे निराश नहीं किया।

कोहली का टेस्ट क्रिकेट को महत्व देना भारत के लिए अच्छा : द्रविड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि कप्तान विराट कोहली का टेस्ट प्रारुप को महत्व देना भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि खेल के इस परंपरागत प्रारुप में टीम उत्कृष्ता हासिल करना चाहती है। द्रविड़ ने संजय मांजरेकर के साथ ईएसपीएन क्रिकइंफो द्वारा आयोजित वीडियोकॉस्ट में अपने क्रिकेट के दिनों, रक्षात्मक बल्लेबाजी के भविष्य और एक टेस्ट बल्लेबाज के रूप में चेतेश्वर पुजारा की योग्यता पर बात की। मौजूदा समय में टी 20 प्रारुप में बल्लेबाजों द्वारा दबाव का सामना किए जाने और और इस दबाव का टेस्ट मैच से तुलना किए जाने पर द्रविड़ ने कहा, अगर आप किसी विशेष क्षण के तनाव के स्तर या दबाव के बारे में बात करना चाहते हैं, तो हां यह टी 20 प्रारूप में बहुत अधिक है। वहां तक पहुंचने और पहले ही गेंद से छक्के मारने के लिए अभ्यास और कौशल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, लेकिन अगर आप दबाव के बारे में बात कर रहे हैं, तो तथ्य यह है कि आपको टेस्ट मैच पांच दिनों के लिए खेलना है। मुझे लगता है कि दबाव है। उस से दूर नहीं भाग सकते। किसी भी अन्य प्रारूप में आप ऐसा कर सकते हैं। लेकिन एक टेस्ट मैच में आप बाहर जाते हैं और बल्लेबाजी करते हैं, फिर आप टीम के बल्लेबाजी को देखते हैं, फिर आप विपक्षी बल्लेबाज को देखते हैं और आपके पास सोचने के लिए बहुत समय है। उन्होंने कहा, टी 20 प्रारूप में आप अपने कमजोर पक्षों के साथ जी सकते हो लेकिन अगर आपकी कमजोरी साफ नजर आ रही हो तो आप टेस्ट क्रिकेट में नहीं बने रह सकते। टी 20 क्रिकेट में आपकी कोई विशेष भूमिका होती है और अगर आप उसमें खरे उतरते हो तो आप सफल हो सकते हो।

टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम इंग्लैंड रवाना

सेंट जॉन (एंटीगा)। वेस्टइंडीज की टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए एंटीगा से इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत आठ जुलाई से होगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज की रिपोर्ट के अनुसार, टीम सोमवार शाम को दो चार्टर विमान से इंग्लैंड के लिए रवाना हुई। इसमें खिलाड़ी और टीम के सपोर्ट स्टाफ शामिल थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ÷दौरे पर जाने वाले सभी खिलाड़ियों और स्टाफ का पिछले सप्ताह ही कोविड-19 टेस्ट किया गया था, जिसमें सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। मंगलवार को मैनचेस्टर पहुंचने के बाद एक बार फिर से पूरी टीम की कोविड-19 टेस्ट की जाएगी। इंग्लैंड में कैरेबियाई टीम 'बायो सिक्योर एनवॉयरमेंट' में रहेगी। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज आठ जुलाई से शुरू होगी। पहला मैच हेम्पशायर के एजेस बाउल पर खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर खेला जाएगा।

महिला फुटबाल विश्व कप 2023 की मेजबानी की दौड़ से हटा ब्राजील

साओ पाउलो ।

ब्राजील फुटबाल परिसंघ (सीबीएफ) 2023 में होने वाले महिला विश्व कप फुटबाल टूर्नामेंट की मेजबानी की दौड़ से हट गया है। ब्राजील ने कहा कि कोरोनावायरस महामारी के प्रभाव के कारण वह फीफा को जरूरी वित्तीय आश्वासन देने की स्थिति में नहीं है और इसलिए उसने मेजबानी की दौड़ से खुद को अलग कर लिया है। सीबीएफ ने एक बयान में कहा, संपूर्ण मूल्यांकन के बाद, सीबीएफ ने फीफा महिला विश्व कप 2023 की मेजबानी के लिए ब्राजील की उम्मीदवारी को वापस लेने का फैसला किया है। यह निर्णय बड़ी जिम्मेदारी के साथ लिया गया है। सीबीएफ ने साथ ही कहा कि वह मेजबानी के दावे में कोलंबिया का समर्थन करेगा। मेजबानी की दौड़ में कोलंबिया के अलावा अब जापान तथा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड (संयुक्त मेजबान) रह गए हैं। दक्षिण अमेरिका ने कभी इस टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं की है। ब्राजील लैटिन अमेरिकी देशों में कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित देश रहा है और यहां अभी तक 37,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका ने टी 20 विश्व कप की मेजबानी की इच्छा जताई

न्यूयॉर्क (एजेंसी) ।

अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड (यूएसए क्रिकेट) ने वेस्टइंडीज के साथ मिलकर 2023 टी-20 विश्व कप की मेजबानी करने की इच्छा जताई है। बोर्ड ने कहा कि अमेरिका में 1994 में फुटबाल विश्व कप का सफल आयोजन हुआ था और ऐसे में उसे टी-20 विश्व कप की मेजबानी मिलने की उम्मीद है। बीबीसी ने यूएसए क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इयान हिंगिस के हवाले से कहा, अगर आप अमेरिका में खेलते हैं तो सभी आयोजन स्थल के सभी टिकट को बिका पाएंगे। अमेरिका में 1994 में फुटबाल विश्व कप का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें करीब 35 लाख से ज्यादा प्रशंसक मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। हिंगिस ने कहा कि उन्होंने कई क्षेत्रों की पहचान की है, जहां अमेरिका क्रिकेट के शीर्ष आयोजन के लिए खुद को समर्थ के रूप में पेश कर सकता है। उन्होंने कहा, इनमें से एक आईसीसी को अमेरिका में एक टी20 विश्व कप लाने का साहस दिखाने के लिए तैयार करना होगा। हमारे देश में कम से कम छह स्टेडियम हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने में सक्षम हैं। वहीं पिछले दो विश्व कप को देखें तो पता चलेगा कि अमेरिका से भी काफी तादाद में लोग यात्रा कर मैच देखने पहुंचे थे। अमेरिका को पिछले साल ही आईसीसी से वनडे मैच खेलने का दर्जा मिला है। हिंगिस ने कहा कि अमेरिका अगले एक दशक के अंदर टेस्ट का दर्जा हासिल करना चाहता है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य है कि कम समय में आईसीसी के पूर्ण सदस्यों के साथ सीरीज खेलें और अगले 10 साल में आईसीसी के पूर्ण सदस्य का दर्जा हासिल करें।

दर्शकों की वापसी: सुपर रग्बी मैच में 35,000 प्रशंसकों के पहुंचने की उम्मीद

वेलिंगटन। डुनेडिन स्थित हाईलैंडर्स को उम्मीद है कि शनिवार को चीफ्स के खिलाफ सुपर रग्बी मैच के लिए 20 हजार दर्शक पहुंचेंगे। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद यह पहला बड़ा रग्बी मैच है जो दर्शकों की मौजूदगी में आयोजित होगा। सुपर रग्बी ओटियारोआ रग्बी यूनियन का पहला बड़ा टूर्नामेंट है जो कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद दोबारा शुरू हुआ है और यह दुनिया की शुरुआती बड़ी खेल प्रतियोगिता में से एक है जिसमें दर्शकों की संख्या पर कोई सीमा तय नहीं की गई है। दूसरी तरफ आकलैंड स्थिति ब्ल्यूज टीम को रविवार को हरिकेन्स के खिलाफ होने वाले मैच में 35 हजार लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है क्योंकि इस मुकाबले में राष्ट्रीय टीम के कई खिलाड़ी शामिल होंगे। न्यूजीलैंड सरकार ने सार्वजनिक रूप से लोगों के जुटने की संख्या को लेकर सोमवार को सभी तरह की रोक हटा दी जिसका मतलब है कि अब सामाजिक दूरी की जरूरत नहीं है और मैचों के दौरान स्टेडियम की क्षमता के जितने दर्शक आ सकते हैं। न्यूजीलैंड में अभी कोविड-19 का कोई सक्रिय मामला नहीं है और पिछले 18 दिन में कोई नया मामला भी सामने नहीं आया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉकडाउन में हर दिल अजीज बनी पारले जी, 82 साल का तोड़ा रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। कोविड-19 महामारी के चलते देशव्यापी लॉकडाउन के बीच में प्रवासी कामगारों का पलायन शुरू हो गया। यह पलायन अपने गृह राज्यों की तरफ हो रहा था। इस दौरान बहुत सी ऐसी तस्वीरें सामने आईं जिसमें देखा गया कि प्रवासी कामगार पारले जी बिस्कुट खाकर अपना गुजारा कर रहे हैं और जो कुछ भोजन रास्ते में उन्हें मिल जाता उसे ग्रहण कर लेते थे। इसी पारले जी बिस्कुट को लेकर अब एक खबर सामने आई है। लॉकडाउन के चलते जहां कई कम्पनियां बंद हो गईं तो वहीं पारले जी ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया। बता दें कि पारले जी की इतनी अधिक बिक्री हुई कि पिछले 82 सालों का रिकॉर्ड टूट गया।

1938 से बना फेवरेट ब्रांड

साल 1938 से लोगों का फेवरेट ब्रांड बना हुए पारले जी बिस्कुट ने प्रवासी कामगारों को काफी राहत दी है। कभी प्रवासी कामगारों ने इसे खुद खरीद कर खाया तो कभी किसी ने उन्हें पारले जी सफर के लिए दे दी। जिसके चलते अभी तक के इतिहास में पारले जी ने सबसे ज्यादा बिस्कुट बेचने का रिकॉर्ड कायम किया। अंग्रेजी अखबार द इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक पारले जी के कैटेगिरी हेड मयंक शाह ने बताया कि कंपनी के मार्केट शेयर में करीब 5 फीसदी का इजाफा हुआ है। लॉकडाउन के समय में पारले जी का प्रोडक्शन कम न हो इसके लिए कम्पनी ने पहले ही व्यवस्था कर दी थी। कंपनी ने कर्मचारियों के आने-जाने और सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सारे इंतजामात किए थे। जिसकी वजह से बाजार में पारले जी बिस्कुट की उपलब्धता कम नहीं हुई और कम्पनी ने रिकॉर्ड भी बना दिया।

भारती एयरटेल की इकाई ने दूरसंचार कंपनी रोबी एक्सिआटा में 6.3 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली, भारती एयरटेल ने मंगलवार को कहा कि उसकी अनुषंगी इकाई ने बांग्लादेश की दूरसंचार कंपनी रोबी एक्सिआटा में एनटीटी डाकोमो से 6.3 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है। हालांकि, कंपनी ने सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया है। कंपनी ने बंबई शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे भारती एयरटेल की पूर्ण अनुषंगी भारती इंटरनेशनल (सिंगापुर) की रोबी एक्सिआटा लि. में हिस्सेदारी मौजूदा 25 प्रतिशत से बढ़कर 31.3 प्रतिशत हो जाएगी। भारती एयरटेल ने कहा, ''...भारती इंटरनेशनल (सिंगापुर) ने सीधे तौर पर और अपनी संबद्ध इकाइयों के जरिये बांग्लादेश की इकाई रोबी एक्सिआटा में एनटीटी डोकोमो से 6.3 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है।'' कंपनी ने गोपनीयता का हवाला देते हुए सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया है। रोबी बांग्लादेश में दूसरी सबसे बड़ी मोबाइल नेटवर्क परिचालक कंपनी है। यह एक्सिआटा इनवेस्टमेंट (लाबुआन) लि. की अनुषंगी है जो मलेशिया स्थित एशियाई दिग्गज दूरसंचार कंपनी एक्सिआटा समूह बेरहाड की इकाई है।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने 30 सितंबर तक बढ़ाई वाहनों के सभी तरह के कागजातों की वैधता

नई दिल्ली: देश में फैले कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए सड़क परिवहन मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों के फिटनेस समेत सभी तरह के कागजात की वैधता का विस्तार किया है। फिटनेस, सभी प्रकार के परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीकरण, या किसी अन्य संबंधित दस्तावेज अब 30 सितंबर 2020 तक वैध माने जाएंगे। मंत्रालय के आदेश के बाद वाहन चालकों व वाहन मालिकों को मोटर वाहन कानून से जुड़े दस्तावेजों को नवीनीकरण कराने से राहत मिलेगी। वाहन चालकों व वाहन मालिक कागजात का नवीनीकरण अब 30 सितंबर तक करा सकेंगे। कोरोना वायरस के कारण मोटर वाहन कानून से जुड़े कागजात की वैधता को लेकर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2019-20 में 55 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 में उसका शुद्ध लाभ इससे पिछले वित्त वर्ष के 19.2 करोड़ रुपये के मुकाबले 55 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 29.8 करोड़ रुपये हो गया। पेमेंट बैंक ने कहा कि इस दौरान उसकी वार्षिक आय बढ़कर 2,100 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वर्ष में 1,668 करोड़ रुपये थी। पेमेंट बैंक ने कहा कि छोटे शहरों और कस्बों में ग्राहक बढ़ने के कारण उसके कारोबार में बढ़ोतरी हुई। हर बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्यकार्यकारी सतीश गुप्ता ने कहा,' हम डीजिटल बैंकिंग में भारत में लगातार सबसे आगे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान उनके बैंक ने नए खातेदार जोड़ने, बचत खाते खोलने, मियादी जमा और सौदों -हर पैमाने पर अच्छा काम किया। कपनी नये नये उत्पादों और तरीकों से देश में वित्तीय समावेशन (ज्यादा से ज्यादा आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने) पर ध्यान दे रही है।

Paytm Payments Bank

कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों से निवेशक चिंतित, सेंसेक्स 414 अंक लुढ़का

मुंबई.

निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स मंगलवार को उतार चढ़ाव भरे कारोबार में अंततः 414 अंक नीचे खिसक गया। निवेशकों में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए आर्थिक पुनरूद्धार को लेकर बढ़ती चिंता के बीच यह गिरावट आयी। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 855 अंक नीचे आ कर 413.89 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,956.69 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज क निफ्टी 120.80 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,046.65 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों के उलट वैश्विक स्तर पर ज्यादातर शेयर बाजारों में 'लॉकडाउन' हटने से निवेशकों में आर्थिक पुनरूद्धार को लेकर उम्मीद बढ़ी है। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। इसमें 3 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके अलावा भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक और एक्सिस बैंक भी नीचे रहे। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी लाभ में रहे। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 नुकसान में जबकि नौ लाभ में रहे। विश्लेषकों के अनुसार ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली से घरेलू बाजार में गिरावट आयी। इसका कारण बताया जा रहा है कि निवेशक कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंतित हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते मामले ने अर्थव्यवस्था को खोलने के सकारात्मक प्रभाव को हल्का कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर 2,66,598 हो गये हैं जबकि 7,466 लोगों की मौत हुई है। वहीं वैश्विक स्तर पर संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 71.19 लाख पहुंच गयी है जबकि 4.06 लाख लोगों की मौत हुई है। आशिका स्टॉक ब्रोकिंग के इक्विटी शोध के अध्यक्ष पारस बोथरा ने कहा कि विश्वबैंक के वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 2020 में 5.2 प्रतिशत की गिरावट के अनुमान के बाद वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव रहा और मुनाफावसूली देखी गयी। एशिया के अन्य शेयर बाजारों में चीन के शंघाई, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के सोल में तेजी रही जबकि जापान का बाजार नुकसान में रहा। वहीं यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गयी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.69 प्रतिशत घटकर 40.11 डॉलर प्रति बैरल रहा। वहीं अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे टूटकर 75.61 पर बंद हुआ।

द्ध4ह्वट्टस्र्ड्डद्ब ष्द्गह्लड्ड मई में सबसे ज्यादा बिकने वाली यात्री कार

नयी दिल्ली,

हुंदै मोटर इंडिया की क्रेटा मई में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। कंपनी ने हाल में इसका नया संस्करण पेश किया था। वाहन उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक यह पहली बार है जब देश में किसी एसयूवी की मासिक बिक्री सबसे अधिक रही है। इससे पहले ज्यादातर मारुति सुजुकी की ऑल्टो और डिजायर इस मामले में शीर्ष रहती थी। मई में क्रेटा की कुल 3,212 इकाइयां बिकीं। इसके बाद मारुति सुजुकी की अर्टिगा रही जिसकी 2,353 इकाइयां मई में बिकीं। समीक्षावधि में डिजायर की 2,215 इकाई, महिंद्रा एंड महिंद्रा की बोलेरो की 1,715 इकाइयां बिकीं। मारुति सुजुकी के मल्टीपर्पज वाहन इको का इस मामले में पांचवा स्थान रहा जिसकी 1,617 इकाइयां बिकी। हुंदै मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री, विपणन और सेवा) तरुण गर्ग ने कहा कोविड-19 महामारी अब एक नयी सामान्य स्थिति है। इसके बावजूद मई में कंपनी की बिक्री का प्रदर्शन अच्छा रहा है।कंपनी ने नई क्रेटा 16 मार्च को पेश की थी। इसके लिए उसे 26,000 बुकिंग पहले ही मिल चुकी है।

अडाणी ग्रीन को मिला दुनिया का सबसे बड़ा सोलर प्रोजेक्ट, 4 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

बिजनेस डेस्क:

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसे एसईसीआई से देश में आठ गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता का विकास करने और दो गीगावाट क्षमता के उपकरण विनिर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए 45,000 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। कंपनी ने बताया कि दुनिया में ये अपनी तरह का सबसे बड़ा ठेका है, और इसके लिए 45,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और इससे चार लाख लोगों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोगजार मिलेगा। कंपनी ने बताया कि साथ ही इस परियोजना के चालू होने से इसके जीवनकाल में कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में 90 करोड़ टन की कमी आएगी। कंपनी ने बताया कि इस ठेके के साथ ही कंपनी 2025 तक 25 गीगावाट उत्पादन क्षमता तैयार करने के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच जाएगी। इसके लिए कंपनी की योजना अगले पांच वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 1,12,000 करोड़ रुपए निवेश करने की है। कंपनी के बयान के अनुसार, ''अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसीसीआई) से अपनी तरह की पहली विनिर्माण सहित सौर परियोजना हासिल की है। एजीईएल ने बताया कि ठेके के तहत वह आठ गीगावाट की सौर परियोजना का विकास करेगी और साथ ही दो गीगावाट के अतिरिक्त सौलर सेल और माड्यूल विनिर्माण क्षमता की स्थापना भी की जाएगी। इस ठेके के साथ ही अडाणी ग्रीन एनर्जी की निर्माणाधीन या करार के तहत कुल परिचालन क्षमता 15 गीगावाट क्षमता हो गई है। अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि यह ठेका हमारे देश द्वारा जलवायु परिवर्तन के संबंध में किए गए वादों को पूरा करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान को साकार करने की दिशा में एक और कदम है।

फ्रांस सरकार की एयरलाइन उद्योग को बड़ी राहत, 16.9 अरब डॉलर पैकेज का ऐलान

बिजनेस डेस्क।

फ्रांस सरकार ने कोरोना संकट से त्रस्त वैमानिकी और एयरलाइन उद्योग की मदद के लिए 15 अरब यूरो (16.9 अरब डालर) के सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज से विमान विनिर्माता एयरबस और नागर विमानन सेवा कंपनी एयर फ्रांस को फायदा होगा। वित्त मंत्री ब्रूनो ली मायरे ने मंगलवार को इस पैकेज की घोषणा की। इन कंपनियों में देश के हजारों लोगों को नौकरी मिली हुई है। कोराना वायरस से बाजार अस्त-व्यस्त होने के कारण इन लोगों की नौकरियों को लेकर अनिश्चितता उत्पन्न हो गई। इसे देखते हुए सरकार ने यह पैकेज पेश किया है। पैकेज में प्रत्यक्ष सरकारी निवेश, सब्सिडी, कर्ज और कर्ज पर गांरटी की व्यवस्था होगी। पैकेज के तहत कंपनियों को बिजली, हाइड्रोजन या प्रदूषण कम करने वाली प्रौद्योगिकी वाले विमानों पर अधिक तेजी से ओर अधिक मात्रा में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस पैकज में एयर फ्रांस के लिए सात अरब यूरो के कर्ज और कर्ज पर गारंटी का वायदा भी शामिल है जो पहले ही घोषित किया जा चुका है। इस एयरलाइन के ज्यादातर विमान इस समय वायरस के कारण लागू पाबंदियों के चलते खड़े है। वित्त मंत्री ली मायरे ने कहा, 'हम फ्रांस के उद्योगों की मदद के लिए हर संभव उपाय करेंगे क्यों कि ये उद्योग हमारी संप्रभुता, हमारे रोजगार और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी हैं।

भारत की सावरेन रेटिंग में कटौती से तेल एवं गैस क्षेत्र की छह कंपनियों की रेटिंग भी घटी

मुंबई. वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को कहा कि भारत की सावरेन रेटिंग में कटौती से छह 'फॉलेन एंजल' तैयार हुए हैं। फॉलेन एंजल गैर वित्तीय क्षेत्र की ऐसी कंपनियां को कहते हैं, जिनकी रेटिंग गिरकर कबाड़ माने जाने से महज एक पायदान ऊपर रह गई है। दूसरे शब्दों में जिन कंपनियों को निवेश श्रेणी से हटाकर जोखिमपूर्ण निवेश श्रेणी में रख दिया जाता है, उन्हें 'फॉलेन एंजल' कहते हैं। एजेंसी ने कहा कि ये सभी छह कंपनियां सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और गैस क्षेत्र की हैं और इन्हें 2021 तक एक अरब डॉलर के बांड का भुगतान करना है। एजेंसी ने कहा कि इन छह कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, ऑयल इंडिया, पेट्रोनेट एलएनजी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन शामिल हैं। मूडीज ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की इन छह तेल और गैस कंपनियों की अंतिम रेटिंग अब उनके बुनियादी ऋण प्रोफाइल के आधार पर तय न होकर सावरेन रेटिंग में कटौती से निर्धारित होगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि छह भारतीय कंपनियों को 'फॉलेन एंजल' का दर्जा देने के बाद इनकी संख्या एशिया में बढ़कर 21 हो गई है, जो अब तक सबसे अधिक है।

नकदी की कोई समस्या नहीं, कोविड- 19 से कंपनी की संपत्तियों पर असर नहीं- एल एंड टी

नयी दिल्ली,

इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टूब्रो के पास पर्याप्त नकदी है और कोरोना वायरस महामारी के कारण उसकी संपत्ति के मूल्य पर असर पड़नेका का फिलहाल कोई अनुमान नहीं है। कंपनी ने यह जानकारी दी है। कंपनी ने अप्रैल में दीर्घकालीन कर्ज के जरिये 9,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाये हैं।

एल एंड टी ने 31 मार्च को समाप्त तिमाही के दौरान कोविड-19 के कारण आय में 1,800 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। कंपनी ने कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिये 'लॉकडाउन' की घोषणा के मद्देनजर काम 25 मार्च से बंद कर दिया था। कंपनी के दस्तावेज के अनुसार, ''एल एंड टी के पास फिलहाल पर्याप्त नकदी है। उसे अप्रैल 2020 में दीर्घकालीन कर्ज के जरिये 9,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाये। कंपनी को वित्तीय संस्थानों से भी कर्ज सुविधा मिली हुई है।'' उसके अनुसार कंपनी के पास 3,000 अरब रुपये से अधिक के आर्डर हैं। कंपनी के अनुसार कोविड-19 के कारण उसकी किसी भी संपत्ति पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है और उसे निकट भविष्य में किसी प्रकार के नुकसान का अंदेशा नहीं है। एल एंड टी ने कहा कि उसे मौजूदा अनुबंधों के तहत बाध्यताओं को पूरा करने का पूरा भरोसा है। कंपनी ने अनुबंध शर्तों के तहत आपात स्थिति का हवाला देते हुए ग्राहकों को सूचना दी थी। फिलहाल उसे कोरोना वायरस संक्रमण के कारण किसी भी ग्राहक के ठेकों को पूरा करने में कोई समस्या नजर नहीं आती।

मात्र 5% कंपनियों की नौकरियां देने की योजना;निर्माण, बीमा, रीयल एस्टेट में होंगे रोजगार के अवसर

नयी दिल्ली।

कोविड-19 संकट और इसके चलते लागू लॉकडाउन का असर देश की अर्थव्यवस्था, लोगों के रोजगार और कंपनियां की माली हालत पर पड़ा है। ऐसे में अब जबकि देश में आर्थिक गतिविधियां दोबारा शुरू होने लगी हैं भविष्य पर नजर रखते हुये आगामी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में मात्र पांच प्रतिशत कंपनियां ही फिलहाल नये लोगों को भर्ती करने की योजना बना रही है। मैनपावर ग्रुप के रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण के मुताबिक देश में जुलाई-सितंबर में रोजगार की दिशा और दशा खनन-निर्माण, वित्त, बीमा और रीयल एस्टेट जैसे क्षेत्र तय करेंगे। देश के 695 नियोक्ताओं के बीच किए गए इस सर्वेक्षण में यह रुख सामने आया है। हालांकि, इसी सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आयी है कि मात्र पांच प्रतिशत कंपनियां ही रोजगार के अवसर देने पर विचार कर रही हैं। यह पिछले 15 साल में सबसे खराब स्थिति है। लेकिन अच्छी बात यह है कि विश्व के 44 प्रमुख देशों में भारत उन चार शीर्ष देशों में शामिल है जहां रोजगार को लेकर सकारात्मक रुख बरकरार है। इसके अलावा सिर्फ जापान, चीन और ताइवान में ही रोजगार परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। इन देशों में जुलाई- सितंबर के लिए शुद्ध रोजगार की स्थिति क्रमशः 11 प्रतिशत, तीन प्रतिशत और तीन प्रतिशत है। कंपनी के भारतीय परिचालन के समूह प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, ''आर्थिक नरमी के चलते कंपनियां अपने कार्यबल को युक्तिसंगत बना रही हैं। कंपनियों ने लॉकडाउन के बाद काम करना शुरू भर किया है। उन्हें मांग बढ़ने की उम्मीद है, इसलिए अभी स्थितियों को देखने और कंपनियों के निर्णय को लेकर देखो और इंतजार करने की जरूरत है।'' हालांकि, मई के महीने में देश में रोजगार गतिविधियों में 61 प्रतिशत की कमी आयी है। नौकरी डॉट कॉम के मासिक रोजगार सूचकांक 'नौकरी जॉब स्पीक' के मुताबिक कोरोना वायरस लॉकडाउन की

वजह से मई में रोजगार गतिविधियों में 61 प्रतिशत की गिरावट दर्ज गयी। यह लगातार दूसरा महीना रहा जब रोजगार अवसरों में 60 प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। कंपनी के पोर्टल पर इस साल मई में मात्र 910 नौकरी के लिए आवेदन मांगे गए जबकि पिछले साल मई में यह आंकड़ा 2,346 था। कंपनी अपने पोर्टल पर नौकरी के विज्ञापनों का आकलन कर यह रपट जारी करती है।

फ्रांस सरकार ने एयरलाइन सेक्टर की मदद के लिए 16.9 अरब डॉलर पैकेज की घोषणा की

पेरिस। फ्रांस सरकार ने कोविड19 संकट से त्रस्त वैमानिकी और एयरलाइन उद्योग की मदद के लिए 15 अरब यूरो (16.9अरब डालर)के सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज से विमान विनिर्माता एयरबस और नागर विमानन सेवा कंपनी एयर फ्रांस को फायदा होगा। वित्त मंत्री ब्रूनो ली मायरे ने मंगलवार को इस पैकेज की घोषणा की। इन कंपनियों में देश के हजारों लोगों को नौकरी मिली हुई है। कोराना वायरस से बाजार अस्त व्यस्त होने के कारण इन लोगों की नौकरियों को लेकर अनिश्चितता उत्पन्न हो गई।इसे देखते हुए सरकार ने यह पैकेज पेश किया है। पैकेज में प्रत्यक्ष सरकारी निवेश, सब्सिडी, कर्ज और कर्ज पर गारंटी की व्यवस्था होगी। पैकेज के तहत कंपनियों को बिजली,हाइड्रोजन या प्रदूषण कम करने वाली प्रौद्योगिकी वाले विमानों पर अधिक तेजी से ओर अधिक मात्रा में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस पैकज में एयर फ्रांस के लिए सात अरब यूरो के कर्ज और कर्ज पर गारंटी का वायदा भी शामिल है जो पहले ही घोषित किया जा चुका है। इस एयरलाइन के ज्यादातर विमान इस समय वायरस के कारण लागू पाबंदियों के चलते खड़े है। वित्त मंत्री ली मायरे ने कहा, 'हम फ्रांस के उद्योगों की मदद के लिए हर संभव उपाय करेंगेक्यों कि ये उद्योग हमारी संप्रभुता, हमारे रोजगार और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी हैं।

पैरामिलिट्री सर्विसेज में बढ़ती मांग, अवसर और संभावनाएं

देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं पर तैनात रक्षा सेनाओं को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पैरामिलिट्री सर्विसेज (अर्धसैन्य सेवाएं) अर्थात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ का गठन कई दशक पहले किया गया था. रक्षा सेवा की ये इकाइयां राष्ट्रीय आपदा के वक्त बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

अंदरूनी सुरक्षा और सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में अर्धसैन्य बलों की जरूरत हमेशा बनी रहती है. इसी के मद्देनजर इनमें नियुक्तियां भी खूब होती हैं बाहरी आक्रमणों से देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी डिफेंस सर्विसेज की होती है. हालांकि देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं पर तैनात रक्षा सेनाओं को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पैरामिलिट्री सर्विसेज (अर्धसैन्य सेवाएं) अर्थात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ का गठन कई दशक पहले किया गया था. रक्षा सेवा की ये इकाइयां राष्ट्रीय आपदा के वक्त बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. अर्धसैनिक बल गृह मंत्रालय की एजेंसी हैं जो सशस्त्र सेना की इकाई के रूप में कार्य करती हैं. इसे भारतीय सशस्त्र सेना का हिस्सा माना जाता है.

अवसर

एक बार पैरामिलिट्री में चयन होने के बाद कैंडीडेट द्वारा चयन किये गये पैरामिलिट्री ऑर्गनाइजेशन में ट्रेनिंग की शुरुआत होती है. हालांकि महिलाएं भी पैरामिलिट्री ज्वाइन करती हैं लेकिन इनका स्कोप सीमित है. फिर भी अवसरों की कमी नहीं है. घरेलू सुरक्षा की बढ़ती जरूरत के कारण इनकी सर्विस की मांग भी बढ़ी है.

इंडियन पैरामिलिट्री फोर्स

इंडियन पैरामिलिट्री फोर्स दुनिया की दूसरी बड़ी पैरामिलिट्री है. पैरामिलिट्री ऑग्रेनाइजेशंस रक्षा-संबंधी सेवा है जिसका गठन देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाये रखने के साथ-साथ सीमा पर तैनात सैन्य बल को सपोर्ट करने के उद्देश्य से किया गया है. पैरामिलिट्री फोर्स से संबंधित सर्विस केंद्र सरकार के अन्तर्गत आती है. हालांकि इनका सांगठनिक ढांचा, पदक्रम (हैरारकी) और ट्रेनिंग में भिन्नता हो सकती है लेकिन काम करने का मूल उद्देश्य, अनुशासन और प्रतिबद्धता रक्षा सेवाओं जैसी होती है.

फोर्स के रोल और सर्विस के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, वे हैं - असम राइफल्स, बॉर्डर सिक्यु रिटी फोर्स, इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस, स्पेशल फंटियर फोर्स, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स, नेशनल सिक्युरिटी गार्ड. सीआरपीएफ सीआरपीएफ यानी सेंट्रल रिजर्व पुलिस बल.

इसकी जिम्मेदारी राज्य की सुरक्षा व्यवस्था और दंगों पर नियंत्रण करना है. सीआरपीएफ की स्पेशलाइज्ड ब्रांच को 'रेपिड एक्शन फोर्स' कहते हैं. इस फोर्स को दो महिला बटालियन का गौरव प्राप्त है.

बीएसएफ

बीएसएफ यानी बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स. नाम के अनुसार इसका मुख्य कार्यक्षेत्र देश की सीमा की सुरक्षा है. शांति के दौरान फोर्स का काम सीमा पर अपराध, सीमा में प्रवेश करना या बाहर जाना पर निगरानी, तस्करी रोकना और सीमा के करीब के लोगों में सुरक्षा की भावना जगाये रखना होता है. युद्ध के दौरान बीएसएफ उस क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा और राहत पहुंचाने का कार्य करता है.

आईटीबीपी

इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस वह फोर्स है जिसका गठन मुख्य रूप से देश की सीमा को तिब्बत से जोड़ने वाले क्षेत्र की सुरक्षा के लिए किया गया. हालांकि वर्तमान में ये आंतरिक सुरक्षा की ड्यूटी और वीआईपी सुरक्षा में लगायी जाती है. बीएसएफ और सीआरपीएफ की तुलना में यह संख्या में बहुत छोटी फोर्स है.

सीआईएसएफ

सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स का गठन औद्योगिक परिसर की सुरक्षा और उनमें कर्मचारियों के असंतोष को हैंडल करने के उद्देश्य से किया गया. सीआईएसएफ के जवान देश के मुख्य एयरपोर्ट और आंतरिक सुरक्षा के मामलों में भी तैनात किये जाते हैं.

योग्यता

किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट कैंडीडेट, जो लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल फिटनेस क्राइटेरिया पर खरे उतरते है, पैरामिलिट्री में उनका चयन आसानी से हो जाता है. यहां कैंडिडेट का चयन सब-इंस्पेक्टर स्तर पर होता है, चाहे शैक्षिक योग्यता उच्च ना भी हो लेकिन फिजिकल फिटनेस आवश्यक है. इसी तरह पैरामिलिट्री में टेक्निकल ग्रेजुएट्स, एजुकेशन ऑफीसर्स और मेडिकल ऑफीसर्स और दूसरे विशेषज्ञता प्राप्त लोगों के लिए भी संभावनाएं हैं. इन कैंडीडेट्स के अतिरिक्त दसवीं या बारहवीं पास भी जवान की पोस्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं. इसमें चार विभिन्न स्तरों में भर्तियां होती हैं जिनमें जवान, टेक्निकल प्रोफेशनल जैसे रेडियो ऑपरेटर, सब इंस्पेक्टर्स और ऑफीसर्स होते हैं. हालांकि जवान बनने के लिए फिजिकल फिटनेस क्राइटेरिया के तहत लंबाई, वजन और सीने का साइज बहुत जरूरी होता है. इन्हें लिखित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होती है. अधिकारी के पद के लिए लिखित परीक्षा होती है, जिससे यूपीएससी लेता है.

आयु सीमा

पैरामिलिट्री के लिए आवेदन करने के लिए कैंडीडेट्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 26 वर्ष होनी चाहिए. अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के लिए छूट है.

करियर का एक और आयाम डेवलपमेंट स्टडीज

डेवलपमेंट स्टडीज में विकास से जुड़ी योजनाओं को कैसे अमल में लाया जाए या फिर पुरानी योजनाएं क्यों फ्लॉप हुईं, इनका अध्ययन किया जाता है. पिछले कुछ दशकों से विकास का मुद्दा काफी अहम होता जा रहा है. इसके दायरे में सिर्फ विकासशील देश ही नहीं आते बल्कि विकसित देशों में काम करने वाले तमाम संस्थान भी हैं.

जॉब - इससे संबंधित कोर्स करने के बाद छात्र एकेडमिक रिसर्च, टीचिंग, एनजीओ के अलावा संयुक्त राष्ट्र, वर्ल्ड बैंक और प्लानिंग कमीशन जैसे संगठनों में काम कर सकते हैं. रिसर्च कर सकते हैं.

विकास से जुड़ी योजनाओं को कैसे अमल में लाया जाए या फिर पुरानी योजनाएं क्यों फ्लॉप हुई, इनका अध्ययन जरूरी होता है. यही कारण है कि द्वितीय वियुद्ध के बाद तीसरी दुनिया के देशों के विकास पर अध्ययन करने पर विशेषज्ञों का ध्यान गया है. शुरुआती दौर में इसके तहत डेवलपमेंट इकोनोमिक्स का अध्ययन किया जाता था, जो बाद में बदलकर डेवलपमेंट स्टडीज के रूप में परिवर्तित हो गया. इस विषय से संबंधित कोर्स में इकोनोमिक्स भी होता है लेकिन इसके साथ इतिहास, सोशियोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी आदि भी जुड़े होते हैं. रिसर्च मेथड, इकोनोमिक थ्योरी और इंडियन इकोनोमिक डेवलपमेंट मुख्य तौर पर पढ़ाया जाता है. इसके अलावा, डिजर्टेशन भी पूरा करना होता है. हालांकि टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई जैसे संस्थान में तो छात्रों को इकोनोमिक्स, सोशियोलॉजी, पॉलिटिकल साइंस, साइकोलॉजी, कल्चरल के साथ मीडिया स्टडीज का अध्ययन करना होता है.

कोर्स - डेवलपमेंट स्टडीज ऐसी ब्रांच हैं जहां सोशियोलॉजी, इकोनोमिक्स, हिस्ट्री, एंथ्रोपोलॉजी आदि विषयों की पढ़ाई एक साथ की जाती है. मास्टर लेवल कोर्स करने के बाद एमफिल और पीएचडी भी की जा सकती है.साथ ही स्कूल और कॉलेज में पढ़ा सकते हैं. देश के बाहर स्थित संस्थानों मसलन लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, ऑक्सफोर्ड विवि जैसे संस्थानों की मास्टर डिग्री भी काफी लोकप्रिय हैं.

संस्थान - सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, त्रिवेंद्रम टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंट, मुंबई मद्रास इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई इंदिरा गांधी इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता आईआईटी मद्रास दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, नई दिल्ली

विदेशों में पढ़ने वाले कैसे मैनेज करें अपना खर्च...

विदेशों में अध्ययन करने वालों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें कहां से स्कॉलरशिप और आर्थिक मदद मिल सकती है.

विदेशी कॉलेजों और संस्थानों में पढ़ने की चाहत हर किसी की होती है और ज्यादातर छात्र अपने सपने को साकार करने में सफल भी हो जाते हैं. भारत की तुलना में विदेशों में रहकर पढ़ाई के दौरान दूसरे तमाम खर्च भी काफी होते हैं. हर छात्रों में अलग-अलग तरीके की आदतें होती हैं और वे उसी के मुताबिक काम भी करते हैं. ऐसे में, तय करना पड़ता है कि उनके पास कितने पैसे हैं और कितनी आमदनी होती है. सभी छात्रों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जब वे स्वदेश से इतनी दूर रहेंगे तो वहां उन्हें अपनी सहायता खुद ही करनी होगी, स्वतंत्र रहना होगा. दूसरे देश में रहना एक अनोखा और लाइफ चेंजिंग अनुभव है. विदेश में शिक्षा युवाओं को एक मौका देता है चाहे वह कल्चर की बात हो, सामाजिकता की बात हो या फिर एकेडमिक या पर्सनली.

विदेश जाने के लिए जहां आपको जाने से कई महीने पहले से तैयारी करनी पड़ती है, वहीं वहां जाने के बाद आपकी आर्थिक दिक्कत भी कम नहीं होती. गौरतलब है कि स्वतंत्र रहने पर ही जिम्मेदारी महसूस होती है लेकिन अकसर वे अपने कल्चर में बदलाव ले आते हैं जिस कारण उनका फिट बैठना दांव पर लगा होता है. ऐसे में, उनका खर्च बढ़ जाता है. हालांकि विदेश में पढ़ने के लिए भारतीय छात्रों के लिए तमाम स्कॉलरशिप और फेलोशिप मौजूद हैं, बावजूद इसके सभी को बाहर जाने से पहले और बाद में बजट तैयार करना चाहिए और उसके मुताबिक चलना भी चाहिए. विदेश में अध्ययन के दौरान एक-एक पैसे का हिसाब रखना जहां आवश्यक हो जाता है, वहीं हमेशा सतर्क रहना होता है.

बजट - अपने बजट से अधिक कभी भी खर्च न करें. यह न भूलें कि आप एक छात्र हैं और विदेश में अध्ययन करना काफी खर्चीला है और चीजें मुफ्त में नहीं मिलतीं. विदेशों में आपकी इच्छा दोस्तों के साथ बाहर खाना खाने, फिल्म देखने या फिर लोकल बार में जाने की हो सकती है, ऐसे में खुद पर कंट्रोल रखना जरूरी है. यदि जरूरी हो, तभी जाएं.

मासिक/ साप्ताहिक बजट - अपने बजट को संतुलित रखने के लिए आप अपना मासिक बजट बनाएं और हर हफ्ते उसे चेक करते रहें कि उनका खर्च मासिक बजट से अधिक न हो. यदि संभव हो तो हर दिन अपने खर्च को लिखें. हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि पूरे महीने के लिए आपके पास कितना पैसा है और कितना खर्च होगा. यदि किसी हफ्ते अधिक खर्च हो गया तो अगले हफ्ते इस खर्च का ख्याल रखें. इससे आपका बजट काफी संतुलित रहेगा.

डेबिट और क्रेडिट को करें मैनेज - अपनी रूटीन लाइफ को हमेशा मैनेज करें और याद रखें कि आप अपने घर पर नहीं रह रहे हैं. आकस्मिक खर्च के लिए हमेशा कुछ न कुछ पैसा अपने पास जरूर रखें. हमेशा क्रेडिट कार्ड का प्रयोग न करें. डेबिट कार्ड का प्रयोग करते समय इस बात का ख्याल रखें कि आपके पास कितने पैसे हैं और कितने पैसे खर्च कर रहे हैं.

जॉब करें - अपने बजट को मैनेज करने के लिए कोई न कोई जॉब करें. ऐसा विदेश में पढ़ने वाले ज्यादातर छात्र करते हैं. एजुकेशन कंसल्टेंट द चोपड़ा'ज के मुताबिक, पार्टटाइम जॉब तो हमेशा मिल जाता है जिससे आप अपने मासिक बजट को संतुलित कर सकते हैं. विदेश में पढ़ाई के दौरान एक्स्ट्रा खर्च काफी होता है, ऐसे में पार्टटाइम जॉब काफी राहत देता है. इससे जहां आप पढ़ाई के दौरान काम सीख सकते हैं, वहीं आपमें जिम्मेदारी की भावना भी आती है.

स्कॉलरशिप भी अहम - विदेशी संस्थानों में अध्ययन करने वालों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें कहां-कहां से स्कॉलरशिप के साथ आर्थिक सहायता मिल सकती है. यह सहायता आपके बजट को नियंत्रित रखता है. इस बात को भी सुनिश्चित करें कि आपको स्कॉलरशिप के तहत मिले फंड में से कितना अंश कोर्स को देना है और खुद पर कितना खर्च कर सकते हैं. इस संबंध में तमाम जानकारी मसलन लोन, ग्रांट, स्कॉलरशिप आदि की जानकारी होनी चाहिए.

क्या होता है खर्च - लिविंग एक्सपेंसेज हाउसिंग, मील एकेडमिक एक्सपेंसेज ट्यूशन, बुक्स ट्रेवल एक्सपेंसेज एयरफेयर, पासपोर्ट, वीजा, लोकल ट्रांसपोर्टेशंस कम्युनिकेशन एक्सपेंसेज इंटरनेट एक्सेस, सेल फोन प्रोग्राम एक्सपेंसेज एप्लीकेशन फी, ग्रुप एक्सकुर्सन हेल्थ एंड सेफ्टी एक्सपेंसेज इंश्योरेंस, इम्युनिजाइशन पर्सनल एक्सपेंसेस सोवेनियर्स, इंटरटेनमेंट

एक्सचेंज रेट ध्यान रखें - अपने बजट को संतुलित रखने के लिए हमेशा एक्सचेंज रेट को ध्यान में रखें. जब आप विदेश जाने की तैयारी करें तो बजट तय कर लें. फुड, ट्रेवलिंग, लॉजिंग, सोवेनियर, एक्स्ट्रा कैश आदि को लेकर करें. विदेश जाने के प्रोसेस, आवेदन, वीजा, कॉ लेज ट्यूशन फीस के अलावा रहने के बजट को भी ध्यान देना चाहिए. बैलेंस्ट लाइफ बिताने के लिए बजट को मैनेज करने की कला सीखें. यदि पढ़ाई के दौरान कैंपस में न रहकर बाहर रहना सस्ता होता हो, तो बाहर रहें. कैंपस से सटे इलाके में रहें. अकेले रहने में अधिक खर्च होता हो, तो अपने दोस्तों के साथ शेयर में रहें. इससे जहां आप सामाजिकता सीख पाएंगे, वहीं लोगों के साथ कैसे तालमेल बिठाया जाता है, जान पाएंगे. यदि आप किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसका कुछ पैसा आप स्थानीय बैंक में फिक्स डिपॉजिट के तौर पर जमा कर सकते हैं. जब आपको जरूरत हो तो उस पैसे को निकाल भी सकते हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

खंडवा की जिला अदालत तक पहुंचा कोरोना, दो जजों के संक्रमित होने के बाद मचा हड़कंप

खंडवा. मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में दो वरिष्ठ न्यायाधीशों के संक्रमित होने के बाद जबलपुर उच्च न्यायालय ने नई व्यवस्था लागू की है. जिला न्यायालय के काम को बांट दिया गया है. जबलपुर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार के आदेश के तहत खंडवा सीजेएम व जेएमएफसी न्यायालय का जूरिडिक्शन हरसूद रहेगा. सेशन कोर्ट का जुरीडिक्शन बुरहानपुर प्रथमअपर सत्र न्यायालय होगा.

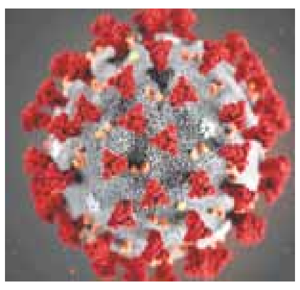

जिम्मेदार न्यायधीश अपने जिले के काम के साथ ही खंडवा का अतिरिक्त काम देखेंगे. जबलपुर हाईकोर्ट के आगामी आदेश तक यह नई व्यवस्था ऑनलाइन चलती रहेगी. वरिष्ठ न्यायाधीश और उनकी पत्नी के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद यह निर्णय लिया गया है.

आपको बता दें कि जिला प्रशासन ने वरिष्ठ न्यायाधीश के संक्रमित पाए जाने के बाद 90 सैंपल लिए थे जिसमें से 70 नेगेटिव आए हैं, बाकी की रिपोर्ट आना बाकी है. कोरोना के बढ़ते संक्रमण की वजह से जिला न्यायालय खंडवा के लगभग 15 जज होम क्वॉरंटीन होंगे. इनको आगामी 14 दिन तक घर पर ही रहना होगा. जजों की आवासीय कॉलोनी को जिला प्रशासन ने कंटेनमेंट एरिया घोषित किया है.

झारखंड: 750 टन लौह अयस्क का हो रहा था अवैध खनन, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

पश्चिम सिंहभूम. झारखंड के पश्चिम सिंहभूम के बड़ाजामदा में अवैध खनन को लेकर छापेमारी की है. 750 टन अवैध लौह अयस्क के भण्डारण को जब्त किया गया है. अवैध खनन करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. बड़ाजामदा थाना क्षेत्र से दो खनन माफिया को गिरफ्तार किया गया है. जॉनसन पूर्ति और राकेश ठाकुर को अवैध खनन के लिए गिरफ्तार किया गया है. इसे मामले में छह लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया है. सभी कोर मिनरल्स के नीचे प्लॉट पर जेसीबी लगाकर अवैध खनन कर रहे थे. किरीबुरू डीएसपी डॉ हीरालाल रवि और खनन विभाग ने मिलकर संयुक्त रूप से छापेमारी की है. अवैध खनन में संलिप्त अन्य लोगों की तलाश में पुलिस की छापेमारी फिलहाल जारी है. आपको बता दें ये इलाका लौग अयस्क के भंडारण के लिए जाना जाता है.

आर्थिक संकट के बीच CM बघेल ने लिखा वित्तमंत्री को पत्र, राज्य के लिए मांगी ये मदद

रायपुर. कोरोना काल की वजह से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था बेपटरी हो गई है. जिसे सुधारने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर मदद मांगी है. सीएम बघेल ने राज्य के लिए दी गई जीएसडीपी के 2 प्रतिशत अतिरिक्त उधार की सीमा को सभी शर्तों से मुक्त करने का आग्रह किया है.

CM बघेल ने लिखा वित्तमंत्री को पत्र

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र में लिखा कि कई शर्तों के साथ दी गई सुविधा और मापदण्डों पर आधारित होने के कारण संसाधनों की कमी और समस्या बरकरार है. केन्द्र द्वारा जारी आर्थिक पैकेज अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और जनसामान्य की जरूरतों को पूरा करने में नाकाम है.

सीएम बघेल ने कहा कि गरीब परिवारों को नि:शुल्क खाद्यान्न, वेतनभोगियों को नियमित वेतन और सभी के लिए समुचित स्वास्थ्य सेवाएं राज्य की प्राथमिकता है. इसीलिए हम केंद्र से आग्रह करते हैं कि जीएसडीपी के 2 प्रतिशत अतिरिक्त उधार की सीमा को शर्तों से मुक्त किया जाएगा.

काशी में खुल गया बाबा का दरबार, श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए याद रखनी होंगी ये बातें

मंदिरों के कपाट खुलने के बाद से ही बड़ी संख्या में भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए उमड़ रहे हैं. श्रद्धालुओं के लिए तमाम तरह के सुरक्षा इंतजाम मंदिर प्रशासन की ओर से किए गए हैं. काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए भक्त कोरोना महामारी से मुक्ति की प्रार्थना कर रहे हैं.

वाराणसी. बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी में आज से भक्तों के लिए काशी विश्वनाथ का दरबार खोल दिया गया. कल पूरे देश में धार्मिक स्थल खोल दिए गए थे, लेकिन बाबा विश्वनाथ का दरबार नहीं खुला था. वाराणसी में सरकार की ओर से बनाई गई गाइडलाइन का पालन करते हुए उसका प्रशासन द्वारा का स्थलीय निरीक्षण किया गया. इसके बाद आज बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर, तिलभांडेश्वर केदारेश्वर महादेव, बाबा कीनाराम का मंदिर भक्तों के लिए खोल दिया गया. बाबा के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु मंदिरों के कपाट खुलने के बाद से ही बड़ी संख्या में भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए उमड़ रहे हैं. श्रद्धालुओं के लिए तमाम तरह के सुरक्षा

इंतजाम मंदिर प्रशासन की ओर से किए गए हैं. काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए भक्त कोरोना महामारी से मुक्ति की प्रार्थना कर रहे हैं. सुरक्षा मानकों का पूरा इंतजाम देवालय खुलने के बाद भक्तों की सुरक्षा का जिम्मा भी मंदिर प्रशासन उठा रहा है. जो भी भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए आ रहे हैं, उन भक्तों की पहले थर्मल स्कैनिंग की जा रही है. इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह से पालन कराया जा रहा है. भक्तों के लिए ऑटोमेटिक सैनिटाइजर मशीन लगाई गई है. जो भक्त दर्शन करने आ रहे हैं, वो ऑटोमेटिक सैनिटाइज मशीन से खुद को सैनिटाइज करने के बाद ही बाबा के दर्शन करने को जा रहे हैं. फिलहाल स्पर्श दर्शन पर भी रोक लगी हुई है, केवल झांकी दर्शन की ही अनुमति दी जा रही है.

Covid-19: राजस्थान में मरीजों की संख्या पहुंची 10,886, रिकवरी रेट 73% से ज्यादा

जयपुर. प्रदेश में 9 जून मंगलवार सुबह 10.30 बजे तक 144 नए कोरोना (Coronavirus) पॉजिटिव मरीज सामने आए, जिसके बाद प्रदेश में अब कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 11,020 हो चुकी है. वहीं, अब तक प्रदेश में कुल मौत का आंकड़ा 251 पहुंच चुका है.चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार,

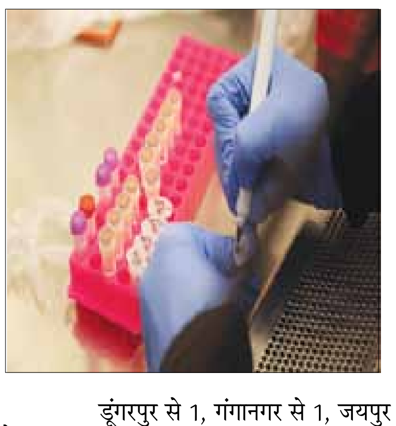

मंगलवार सुबह 10.30 बजे तक एक्टिव केस की संख्या 2587 हो गई. कुल 8182 रिकवर्ड केस हैं हालांकि इन डरावने आंकड़ों के बीच राजस्थान में रिकवरी प्रतिशत 73त्न से ज्यादा चल रहा है, जिसकी वजह से लोगों में कोरोना का भय कम हुआ है.

राजस्थान में आज मंगलवार सुबह तक आए आंकड़ों के अनुसार, अलवर से 11, बाड़मेर से 4, भरतपुर से 30, बीकानेर से 1, चूरू से 7, दौसा से 3, डूंगरपुर से 1, गंगानगर से 1, जयपुर से 61, जालौर से 2, झालावाड़ से 2, जोधपुर से 8, कोटा से 6, सवाईमाधोपुर से 1, सीकर से 5 और अन्य राज्य से 1 नया कोरोना मरीज सामने आया.मंगलवार सुबह दर्ज हुए आंकड़ों में सबसे ज्यादा केस जयपुर से सामने आए हैं. यहां से 61 नए केस सामने आए. ज्यादातर पॉजिटिव केस सुभाष चौक इलाके से बताए जा रहे हैं. एक मकान के किराएदार ज्यादातर संक्रमित बताए जा रहे हैं.

ललितपुर में बैंक के बाहर हर सुबह इंतजार में लगती है चप्पलों की लाइन, जानिए वजह

ललितपुर के कस्बा बार में पंजाब नैशनल बैंक की एक शाखा के बाहर रोजाना चप्पलों की लाइन लगती है. उपभोक्ता अपना जल्दी नंबर आने के लिये सुबह 5 बजे से ही अपनी चप्पलें बैंक के बाहर लगा देते हैं.

ललितपुर. नोटबंदी से लेकर लॉकडाउन तक जरूरी सामान और बैंक के काम के लिए लोगों को लंबी कतारों में खड़े देखना कोई नई बात नहीं है. ललितपुर के एक बैंक के बाहर हर रोज पैसे निकालने के लिए लाइन तो लगती है, लेकिन इंसानों की नहीं, उनकी चप्पलों की. ये अनोखा नजारा हमारे लिए भले ही अलग हो लेकिन आस-पास के लोगों के लिए ये आम बात है.

पंजाब नेशनल बैंक की शाखा के बाहर लगी चप्पलों की लाइन

ललितपुर के कस्बा बार में पंजाब नैशनल बैंक की एक शाखा के बाहर रोजाना चप्पलों की लाइन लगती है. उपभोक्ता अपना जल्दी नंबर आने के लिये सुबह 5 बजे से ही अपनी चप्पलें बैंक के बाहर लगा देते हैं. कोरोना काल और लॉकडाउन की वजह मनरेगा के पैसे सरकारी मदद ही गरीबों और मजदूरों का एक मात्र सहारा बना हुआ है. आम लोगों को भी अपनी जमा पूंजी का ही इस्तेमाल करना पड़ रहा है, ऐसे में बैंक जाना उनकी जरूरत है. बैंक में रोजाना इसी तरह भीड़ लगती है. ऐसे में लोगों ने खुद खड़े होने के बजाय चप्पलें लाइन में लगानी शुरू कर दी हैं.

तेज धूप में नंबर का इंतजार करती हैं चप्पलें

कई बार भीड़ की वजह से लोगों को पूरा-पूरा दिन बैंक के बाहर लंबी लाइन में खड़े होकर बीत जाता है. तेज धूप में खुद खड़े होकर इंतजार करने की जगह लोगों ने अपनी चप्पलों और जूतों को प्रतीकात्मक रूप से लाइन में लगाना शुरू कर दिया है.

मौकापरस्तों ने यहां भी शुरू कर दी धांधली

आम लोग बताते हैं कि यहां भी मौकापरस्तों ने धांधली शुरू कर दी है. अब आलम यह है कि चप्पलों की लाइन में कुछ लोग अपनी चप्पलों को आगे लगाकर मजबूर बैंक ग्राहकों से अपनी चप्पल की जगह उनकी चप्पल लाइन में लगाने के एवज में 50 से 100 रुपये वसूल लेते हैं.

केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने किया BJP के बूथ संपर्क अभियान का शुभारंभ, हुआ स्वागत

बाड़मेर .प्रधानमंत्री नरेंद्र सरकार के 1 साल पूरे होने पर बीजेपी बूथ स्तरीय जन संपर्क अभियान सोमवार को शुरू हो गया. दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (Bhartiya Janta Party) का बूथ संपर्क अभियान शुरू किया गयाा है.

8 से 14 जून तक प्रदेश भर में चलने वाले बूथ संपर्क अभियान का बाड़मेर में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने बीजेपी बालोतरा के कल्याणपुर मण्डल में बूथ संपर्क अभियान का शुभारंभ किया. कैलाश चौधरी ने कल्याणपुर, पचपदरा, बालोतरा एवं जसोल सहित कई गांवों एवं कस्बों में बूथ स्तरीय संपर्क किया.

बाड़मेर के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कल्याणपुरा कस्बे के घरों एवं दुकानों में आमजन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पत्र देते हुए संपर्क अभियान का शुभारंभ किया.

प्रदेश में इस अभियान के तहत पार्टी के 2-2 कार्यकर्ता 8 जून से घर-घर जाकर प्रधानमंत्री का पत्र देंगे और सरकार की उपलब्धियों को बताएंगे. गौरतलब है कि प्रदेश बीजेपी की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पत्र को राजस्थान के 25 लाख घरों तक बीजेपी कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है.

कांग्रेस नेता बालेंदु शुक्ल का सिंधिया पर जोरदार हमला, कहा- BJP में जाकर खत्म कर लिया वर्चस्व

बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री और सिंधिया परिवार के कभी खास रहे बालेंदु शुक्ल ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तीखा हमला बोला है.

भोपाल. बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री और सिंधिया परिवार के कभी खास रहे बालेंदु शुक्ल ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बीजेपी से कांग्रेस में आने वालों की सूची लंबी जाएगी,

पहले जो हालत कांग्रेस की हुई थी, वही अब बीजेपी की होने वाली है.

सिंधिया के BJP में आने से नेता सहमत नहीं

कांग्रेस नेता बालेंदु शुक्ल ने कहा कि सिंधिया के साथ बहुत सारे लोगों के कांग्रेस में जाने की सूचना थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ वे सारे लोग वापस आकर कांग्रेस में काम कर रहे हैं, बीजेपी के कई लोगों को लग रहा है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थकों का बीजेपी में आना ठीक नहीं हुआ बीजेपी के कई नेता अपने नेतृत्व के निर्णय से सहमत नहीं है.

सिंधिया ने अपना वर्चस्व खुद खत्म किया

सिंधिया के वर्चस्व की लड़ाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि सिंधिया ने अपना वर्चस्व खुद खत्म किया है उनका वर्चस्व तो उस वक्त खत्म हो गया था, जब वह एक सामान्य कार्यकर्ता से सवा लाख वोटों से लोकसभा चुनाव हार गए, जबकि उस सीट पर महल का कोई भी प्रत्याशी कभी नहीं हारा.

सिंधिया ने लिया गलत निर्णय

कांग्रेस नेता बालेंदु शुक्ल ने कहा कि सिंधिया ने बीजेपी की तो सरकार बनवा दी लेकिन बीजेपी में जाकर खुद कुछ हासिल नहीं कर पाए,आम जनता भी समझ चुकी है कि सिंधिया ने गलत निर्णय लिया है. बीजेपी के कई कार्यकर्ताओं के बीजेपी छोड़कर जाने और अंतर कलह के चलते बीजेपी में घबराहट स्वाभाविक है.

CM हेमंत ने बिरसा मुंडा को किया याद, कहा- उनका बलिदान भारतीय को प्रेरित करता रहेगा

रांची. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन (Hemant Soren) ने भगवान बिरसा मुंडा (Birsa Munda) की पुण्यतिथि के अवसर पर अपने आवास पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. मुख्यमंत्री ने कहा जल, जंगल और जमीन के अधिकार के लिए संघर्ष करने वाले घरती आबा ने देश के लिए अपनी जान दे दी. उनका समर्पण और बलिदान प्रत्येक भारतीय को प्रेरित करता रहेगा.

उन्होंने कहा कि, यह भगवान बिरसा का उलगुलान ही है, जो हर दिन, हर घड़ी हमें अपने अधिकारों की रक्षा करने की शक्ति देता है. यह धरती आबा का अबुआ दिशोम अबुआ राज ही है, जो झारखंडवासियों को अपने सम्मान के लिए प्रेरित करता रहता है. आज उन्हीं धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की शहादत दिवस पर शत-शत नमन. वहीं, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी (Babulal Marandi) ने भी बिरसा मुंडा को श्रद्धा सुमन अर्पित किया. बाबूलाल मरांडी ने लिखा, 'देश की आजादी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले झारखंड के महान जननायक भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन. झारखंड में नई सामाजिक और राजनीतिक युग के सूत्रपात करने और आदिवासी समाज में जनचेतना जगाने का श्रेय उन्हीं को जाता है. झारखंड उनका सदैव ऋणी रहेगा। विनम्र श्रद्धांजलि.'इधर, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी ट्वीट करके भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. तेजस्वी यादव ने ट्वीट करके लिखा, 'महान स्वतंत्रता सेनानी जननायक परम पूज्य 'बिरसा मुंडा' जी की पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

US: पुलिस हिरासत में मरे जॉर्ज फ्लॉयड को हजारों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

लॉस एंजलिस:

अमेरिका के ह्यूस्टन में नस्लभेद और पुलिस बर्बरता के खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के बीच जॉर्ज फ्लॉयड का अंतिम संस्कार किया गया और इस दौरान 6,000 से अधिक लोग उन्हें अंतिम विदाई और श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठा हुए। अमेरिकी अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की अमेरिका के मिनेसोटा में पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी जिसके बाद पूरे देश में नस्लभेद और पुलिस बर्बरता के खिलाफ आंदोलन खड़ा हो उठा। इससे पहले सोमवार को टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन शहर में 'द फाउंटेन ऑफ प्रेज चर्च' में जॉर्ज फ्लॉयड के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ और इस दौरान उनके ताबूत को लोगों के दर्शन के लिए रखा गया। कार्यक्रम के प्रबंधक ने बताया कि कार्यक्रम में 6,362 लोग आये थे। यह बहुत ही शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जॉर्ज फ्लॉयड के अंतिम संस्कार के दौरान लोग कोरोना वायरस संक्रमण को ध्यान में रखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये छोटे-छोटे समूहों में आ रहे थे। आयोजक प्रवेश द्वार पर लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रहे थे और यह सुनिश्चित कर रहे थे कि सभी ने फेस्क मास्क पहना हो। जॉर्ज फ्लॉयड का जन्म नार्थ कैरोलिना में हुआ था और उन्होंने ह्यूस्टन में अपने जीवन का लंबा वक्त गुजारा था। ह्यूस्टन से पहले नॉर्थ कैरोलिना में भी जॉर्ज फ्लॉयड के सम्मान में कार्यक्रम हुआ। आयोजकों ने पुष्टि की कि पेशेवर मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने जॉर्ज फ्लॉयड के अंतिम संस्कार का पूरा खर्च उठाया।

पूर्वी लद्दाखः गलवान घाटी में पीछे हटी चीनी सेना, भारत ने भी खींचे कदम

नई दिल्ली:

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच जारी तनातनी कम होती दिख रही है। सरकार के सूत्रों ने बताया कि गलवान घाटी में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 और हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र से सैनिकों को आर्टिलरी वाहनों को करीब 2.5 किमी पीछे हटा लिया है। वहीं, भारत ने अपने कुछ सैनिकों को भी वापस बुला लिया है। इससे पहले चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने साथ ही कहा कि सीमा विवाद को सुलझाने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत को बल दिया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कोर कमांडर लेवल की मीटिंग के बाद एक साथ 3 इलाकों में **disen-gagement** हुआ है। इस **disen-gagement** का मक़सद है हालात को स्थिर और कंट्रोल में लाना है। पेंगोंग शो के इलाके के इलावा इस समय गोगरा पोस्ट और गल वान इलाक़े में दोनों तरफ़ से तैनाती कम हुई है। आज पहले चीनी जवान 300-400 की संख्या में पीछे की तरफ आते हैं और उनके इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल यानी बख्तरबंद गाड़ियों में बैठकर वो पीछे हटे। उनको टेंट्स की तादाद में भी कमी आई है। सूत्रों ने बताया कि हाई लेवल मिलिट्री कमांडर मीटिंग के बाद ये काम तो हुआ है, लेकिन कहीं से भी भारतीय सेना कोई चूक की गुंजाइश नहीं रख रही है। इसीलिए **DS DBO** रोड और शॉक नदी के चारों तरफ़ दूसरी लेयर की तैनाती है। इस समय पूरी तरह से नहीं कहा जा सकता कि चीन अप्रैल 2020 के स्टेटस को की तरफ़ पहुंच गया है लेकिन एक्सपर्ट्स इसे एक पॉज़िटिव क़दम मान रहे हैं। पैंगोंग सो में अभी भी हालात ज्यों के त्यों हैं। भारत में भी अभी एक कंस्ट्रक्शन शुरू नहीं किया है और चीन ने भी अपनी पोज़ीशन को पार नहीं किया है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच 6 जून को कमांडर स्तर की वार्ता हुई थी। हालांकि, लद्दाख में जारी सीमा विवाद पर बातचीत के दरवाजे अभी बंद नहीं हुए हैं।

दोनों देश आपसी तनाव खत्म करने के लिए सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत आगे भी जारी रखेंगे।

कोरोना वायरस महामारी के बीच चीन की कंपनियां बड़ी दानदाता बनकर उभरीं

बीजिंग।

कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही चीन की कंपनियां बड़ी दानदाता बनकर उभरी हैं। ई-कॉमर्स क्षेत्र के अग्रणी समूह अलीबाबा के संस्थापक और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य जैक मा ने अप्रैल में न्यूयॉर्क में भेजे गए 1,000 वेंटिलेटर के लिए भुगतान करने में मदद की। मा के फाउंडेशन ने अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया में भी वेंटिलेटर, मास्क और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति की है। इस महामारी के दौरान चीन के प्रमुख कारोबारी वैश्विक स्तर पर अपने अमेरिकी, यूरोपीय और जापानी समकक्षों के साथ बड़े दानदाता बनकर उभरे हैं। मा, अलीबाबा और अन्य चीनी कंपनियों ने करोड़ों डॉलर की चिकित्सा आपूर्ति, भोजन और नकदी दान में दी है। वीडियो सेवा टिकटॉक ने स्वास्थ्यकर्मियों की सहायता और अन्य कार्यों के लिए 25 करोड़ डॉलर देने का वादा किया है। वीचैट मैसेजिंग सेवा की परिचालक टेनसेंट ने 10 करोड़ डॉलर दिए हैं और कहा है कि उसने अमेरिका सहित 15 देशों में मास्क और अन्य सुरक्षात्मक वस्तुओं की आपूर्ति की है। कंप्यूटर निर्माता लेनोवो और इलेक्ट्रिक ऑटो कंपनी बीवाईडी ऑटो सहित दूसरी कंपनियों ने मास्क और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति की हैं। वैश्विक उपकरण बनाने वाली कंपनी हायर स्मार्ट होम का कहना है कि पाकिस्तान में उसके संयंत्रों के आसपास लोगों को भोजन दिया जा रहा है। इन दानदाताओं की पहल से चीन की छवि को सुधारने में मदद मिली है, जिसे वायरस के उभरने और इस बारे में जानकारी छिपाने के आरोपों के चलते आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका से आये ओसीआई कार्ड धारकों के साथ मुंबई हवाई अड्डे पर हुई बदसलूकी

वाशिंगटन

ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड धारक पांच भारतीय-अमेरिकी जोड़ों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि अमेरिका से मुंबई हवाई अड्डे पहुंचने पर आव्रजन अधिकारियों ने उनके साथ बदसलूकी की। वंदे भारत अभियान के तहत सोमवार को पांच दंपति मुंबई हवाई अड्डे पहुंचे थे। कोविड-19 महामारी के प्रकोप को देखते हुए लागू प्रतिबंधों के चलते ओसीआई कार्ड धारकों में कुछ श्रेणियों के लोगों को भारत की यात्रा करने की अनुमति दी गई है। भारतीय मूल के लोगों को ओसीआई कार्ड जारी किया जाता है और अधिकतम मामलों में उन्हें वीजा मुक्त यात्रा करने की अनुमति होती है। ओसीआई कार्ड धारकों के नजदीकी रिश्तेदारों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर आरोप लगाया कि न्यूयार्क से मुंबई हवाई अड्डे पर आने के बाद सात घंटे तक आव्रजन अधिकारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। ओसीआई कार्ड धारकों के एक परिजन ने कहा, एक अधिकारी ने उन्हें बताया कि संभवतः उन्हें देश में घुसने की अनुमति नहीं दी जाएगी और अमेरिका में भारत के वाणिज्यिक दूतावास के पास कोई अधिकार नहीं है। परिजन ने कहा, वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? विमान से इतनी दूर से आने और घर से इतने दिनों तक दूर रहने के बाद उनके साथ ऐसा किया जा रहा है? इसके अलावा जरूरत से ज्यादा समय तक हवाई अड्डे पर रहने का खतरा भी है। मुंबई हवाई अड्डे पर फंसे ओसीआई कार्ड धारकों ने आरोप लगाया कि हवाई अड्डे पर सात घंटे के दौरान उन्हें कुछ भी खाने पीने के लिए नहीं दिया गया। न्यूयार्क स्थित सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम भंडारी ने कहा, ÷यह चौंका देने वाली बात है कि भारतीय अधिकारी ओसीआई कार्ड धारकों के साथ ऐसा बर्ताव कर रहे हैं।'' भंडारी ने कहा कि उन्होंने इस मामले के संबंध में मुंबई और दिल्ली में अधिकारियों से बात की है और नागर विमानन सचिव ने आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व अंतरिक्ष यात्री डॉ. सुलिवन बनीं समुद्र में सबसे गहरे बिंदु तक पहुंचने वाली पहली महिला

वॉशिंगटन: नासा की एक पूर्व अंतरिक्ष यात्री डॉ. कॅथ्रीन डॉयर सुलिवन(68) समुद्र में सबसे गहरे बिंदु तक पहुंचने वाली पहली महिला बन गई हैं। सुलविन ने 37 साल पूर्व सबसे पहले अंतरिक्ष में चलने वाली पहली अमेरिकी महिला का रिकार्ड बनाया था। कॅथ्रीन डॉयर सुलिवन, पायलट विक्टर वेस्कोवो के साथ चैलेंजर डीप में काम करती हैं, जो धरती पर सबसे कम ज्ञात स्थान है। चैलेंजर डीप की विशेषता अत्यधिक अंधेरा, अपार दबाव और कम तापमान है। केवल साधारण सूक्ष्मजीव ही इसके वातावरण में जीवित रह सकते हैं। डॉ सुलिवन दुनिया के आठवीं व्यक्ति हैं जिन्होंने 1960 में पहले दो डॉन वाल्श और जैक्स पिकार्ड के साथ यात्रा की है। डॉ सुलिवन अंतरिक्ष में और लगभग 7 मील की गहराई पर पूर्ण महासागर में रहने वाले पहले इंसान भी बन गई हैं। सुलिवन का जन्म 3 अक्टूबर 1951 को न्यू जर्सी के पैटरसन शहर में हुआ था। वह अमेरिकन भूविज्ञानी और ह्रू की अंतरिक्ष यात्री थी। उन्होंने 1 9 6 9 में अपनी ग्रेजुएशन कैलिफ़ोर्निया के वुडलैंड हिल्स ज़िले के विलियम होवार्ड टाफ्ट हाई स्कूल से प्राप्त की। 1 9 73 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से उन्हें पृथ्वी विज्ञान में विज्ञान स्नातक की डिग्री से सम्मानित किया गया। 1 9 78 में डलहौजी विश्वविद्यालय से भूविज्ञान में उन्होंने पीएच.डी हासिल की । जब वह डलहौजी में थी तब उन्होंने कई समुद्र विज्ञान अभियानों में भाग लिया व अटलांटिक और प्रशांत महासागरों की गहराई का भी अधयन्न किया। 1988 में सुलिवन एक समुद्र विज्ञान अधिकारी के रूप में अमेरिकी नौसेना रिजर्व में शामिल हुई और 2006 में कप्तान के रूप में रिटायर हुई। उन्होंने राष्ट्रीय समुद्रीय और वायुमंडलीय प्रशासन के लिए मुख्य वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया। और नासा से पहले, सुलिवन ने एक समुद्र विज्ञानी के रूप में अलास्का में काम किया।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सरकार से कहा- कोविड-19 को गंभीरता से लें, राष्ट्रीय कानून बनाएं

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सरकार को कोविड-19 से उत्पन्न हालात को गंभीरता से लेने और इस महामारी की रोकथाम के लिये राष्ट्रीय कानून बनाने का निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद अदालत ने यह हिदायत दी है। पाकिस्तान में 1,08,315 से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें से 2,170 लोगों की मौत हो चुकी है। सोमवार को देश में रिकॉर्ड 105 लोगों की मौत हुई। प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद ने कोरोना वायरस की रोकथाम को लेकर स्वतः संज्ञान लेने वाली पीठ की अगुवाई करते हुए कहा, दो न्यायाधीशों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद हम अदालत में भी इस महामारी की आंच को महसूस कर रहे हैं। अहमद ने कहा, हम पूरे देश में लागू होने वाला राष्ट्रीय स्तर का कानून बनाने पर जोर दे रहे हैं, इसके बावजूद कोई कानून नहीं बनाया जा रहा। उन्होंने कहा कि संघीय सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय स्तर का कानून बनाना चाहिए। समाचार पत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार अदालत ने कहा कि कोविड-19 राष्ट्रीय स्तर की समस्या है और उससे राष्ट्रीय स्तर पर ही निपटना चाहिये।

कोरोना वायरस के चलते एशियाई शांति पुरस्कार हुआ रद्द

बैंकॉक। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते फिलीपीन का शांति पुरस्कार इस बार रद्द कर दिया गया है। यह तीसरी बार है जब एशिया का नोबेल पुरस्कार कहे जाने वाले इस वार्षिक सम्मान को पिछले छह दशकों में रद्द किया गया हो। रेमन मैगसाय पुरस्कार देने वाले मनीला स्थित फाउंडेशन ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 ने पूरी दुनिया को सच में ठप्प कर दिया है और इसके कारण उसके पास कोई विकल्प नहीं बचा है। इन पुरस्कारों को 1970 में आर्थिक संकट के चलते और 1990 में विनाशकारी भूकंप की वजह से पूर्व में भी रद्द किया जा चुका है। पुरस्कार का नाम फिलीपीन के प्रसिद्ध राष्ट्रपति के नाम पर रखा गया जिनकी 1957 में विमान हादसे में मौत हो गई थी। यह पुरस्कार एशिया के लोगों की निःस्वार्थ सेवा के लिए लोगों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार प्राप्त कर चुकीं 330 से अधिक शख्सियतों में फिलीपीन के दिवंगत राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो और मदर टेरेसा शामिल हैं जिन्हें भारत में उनके धर्मार्थ कार्यों के लिए जाना जाता है। दक्षिणपूर्व एशिया में फिलीपीन कोरोना वायरस से अत्यधिक प्रभावित है जहां संक्रमण के 22,400 मामले हैं और 1,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। अपनी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उसने लाखों लोगों को लॉकडाउन से राहत दी है।

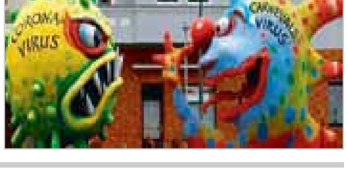

पाकिस्तान के तेल डिपो में लगी आग, 4 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के फैसलाबाद शहर में तेल के एक डिपो में भयानक आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को आग लगी और मृतकों के शव बरामद कर लिए गए हैं तथा घायलों को एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया है। बचाव दल के साथ दमकल के 16 वाहन आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। जिला आपदा अधिकारी एहतिशाम वाहला ने मीडिया को बताया कि न तो जिला प्रशासन और न ही पुलिस को इस क्षेत्र में तेल डिपो होने की जानकारी थी। अधिकारियों ने बताया कि 30 से ज्यादा कर्मी इस डिपो में काम करते थे। यहां अवैध तरीके से काम चल रहा था। ज्यादातर कर्मी सुरक्षित हैं। तेल डिपो का मालिक आग की घटना के बाद भागने में सफल रहा। अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच की जाएगी और दोषी को सजा मिलेगी।

जर्मनी से सैनिकों को हटाने को लेकर कोई घोषणा नहीं: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन।

व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया है कि जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के संबंध में कोई घोषणा नहीं की जानी है और कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी सैन्य बलों के लिए बेहतरीन रुख और विदेशों में उनकी मौजूदगी की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैली मेकनैनी ने सोमवार को मीडिया की उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया करते हुए प्रेस वार्ता में यह टिप्पणी की जिनमें दावा किया जा रहा है कि ट्रंप ने जर्मनी से हजारों अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। मेकनैनी ने कहा, हमें इस वक्त कोई घोषणा नहीं करनी है। मुझे पता है कि कुछ रिपोर्टें आ रही हैं लेकिन इस वक्त ऐसी कोई घोषणा नहीं है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति अमेरिकी सैन्य बलों के लिए बेहतरीन रुख और विदेशों में हमारी उपस्थिति का लगातार आकलन कर रहे हैं। मेरा मतलब है कि हम अपने मजबूत सहयोगियों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जर्मनी में अभी तकरीबन 34,500 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल और वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, ट्रंप की सैनिकों में कटौती की योजना की खबरें अगर सच होती हैं तो जर्मनी में 25,000 अमेरिकी सैनिक रह जाएंगे। अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि प्रशासन सितंबर से इस कदम पर विचार कर रहा है और यह जून के अंत में वाशिंगटन में ट्रंप की मेजबानी में होने वाली जी-7 की बैठक में जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल के शामिल नहीं होने से जुड़ा हुआ नहीं है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया था कि ट्रंप प्रशासन ने व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओब्रायन द्वारा हाल में हस्ताक्षर किए गए ज्ञापन में बदलाव का आदेश दिया है। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया कि शुक्रवार तक जर्मनी को इस फैसले की जानकारी नहीं थी।

भारत बनाएगा 100 करोड़ कोरोना वैक्सीन, ब्रिटेन और पुणे की कंपनियां करार को तैयार

इंटरनेशनल डेस्क:

कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने के लिए पूरी दुनिया के वैज्ञानिक कोशिश में लगे हुए है। अमेरिका, चीन , ब्रिटेन, जर्मनी आदि सहित भारत भी इस दौड़ में शामिल हैं। वैक्सीन की सफलता को लेकर अब भारत से एक बड़ी राहत की खबर आई है। देशवासियों के लिए खुशखबरी यह है कि वैक्सीन को लेकर हो रहे ट्रायल के बीच भारत में इसके उत्पादन को लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। दरअसल, पुणे स्थित सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया **(SII)** की लैब में कोरोना वायरस वैक्सीन का उत्पादन करने और आपूर्ति करने की तैयारी हो रही है। ब्रिटिश-स्वीडिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने घोषणा की है कि उसने वैक्सीन **AZD**1222 की सप्लाई के लिए भारत से हाथ मिलाया है और एसआईआई के साथ लाइसेंस करार करने वाली है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने कोरोना की अपनी संभावित वैक्सीन की सप्लाई का जिम्मा एस्ट्राजेनेका कंपनी को ही दे रखा है। एस्ट्राजेनेका और **SII** मिलकर एक अरब यानी 100 करोड़ की तादाद में वैक्सीन बनाने की तैयारी में है। इनमें से 40 करोड़ वैक्सीन को इसी साल के अंत तक आपूर्ति करने का लक्ष्य रखा गया है। पुणे में बनने वाली कोरोना वायरस वैक्सीन की भारत समेत कम आय वाले देशों को आपूर्ति की जाएगी। बता दें कि कोरोना वैक्सीन बनाने की रेस में दुनिया में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सबसे आगे हैं। यहां वैक्सीन का ट्रायल दूसरे चरण में पहुंच गया है। हाल ही में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने वैक्सीन के दूसरे और तीसरे चरण के ट्रायल की घोषणा की है जिसमें 10,000 वयस्कों को शामिल किया जाएगा। एसआईआई की लैब में फिलहाल 165 देशों के लिए 20 तरह की वैक्सीन बनती हैं और हर साल करोड़ों की तादाद में यहां से वैक्सीन की सप्लाई होती है। लेकिन इस बार इस कंपनी को जो जिम्मेदारी मिली है उसे लेकर **CEO** आदर पूनावाला बेहद उत्साहित हैं। ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन ट्रायल में सबसे आगे पिछले 50 सालों में एसआईआई ने विश्व स्तर पर वैक्सीन के उत्पादन और सप्लाई में अहम भूमिका निभाई है। **SII** इस वक्त यूके की ऑक्सफोर्ड, अमेरिका के कोडेजेनिक्स और ऑस्ट्रेलिया की बायोटेक फार्म थेमिस द्वारा विकसित की गई वैक्सीन कैंडीडेट्स पर काम कर रही है। लेकिन पूनावाला को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन से सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं क्योंकि यह ट्रायल में सबसे आगे है। इसके अलावा एसआईआई अपनी खुद की भी वैक्सीन विकसित कर रहा है।

संक्रमित अधिकारी से मिलने के बावजूद मेक्सिको राष्ट्रपति ने कोरोना टेस्ट से किया इंकार

मेक्सिको सिटी: मेक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर ने सोमवार को कहा कि उनकी कोरोना वायरस के लिए जांच कराने की कोई योजना नहीं है। दरअसल एक दिन पहले यह बताया गया था कि उनके प्रशासन का एक उच्च रैंक वाला सदस्य वायरस से संक्रमित पाया गया है, जिनसे वह हाल ही में मिले थे। मेक्सिको की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के निदेशक जो रॉबलेडो ने रविवार रात घोषणा की थी कि उन्हें संक्रमित पाया गया है। दो दिन पहले वह तबास्को प्रांत की राजधानी विलाहरमोसा में एक कार्यक्रम में लोपेज ओब्राडोर के साथ दिखाई दिए थे। उस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति की सुरक्षा कैबिनेट भी मौजूद थी। लोपेज ओब्राडोर ने सोमवार को कहा कि ''मैं जांच नहीं करने जा रहा क्योंकि मुझमें संक्रमण का कोई लक्षण नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, ''सौभाग्य से, मैं ठीक हूं और अपना ख्याल रखता हूं, सुरक्षित दूरी बनाए रखता हूं।''

चीन को सबक सिखाने के मूड में अमेरिका, अब मुस्लिम कार्ड खेलने की तैयारी में ट्रंप

वॉशिंगटन: कोरोना वायरस फैलाने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन से खुन्नस खाए बैठे हैं। ट्रंप सरेआम इस महामारी का दोषी चीन को मानते है और लगातार वैश्विक मंच पर उसकी खिंचाई कर रहे हैं। इससे पहले भी अमेरिका ट्रेड को लेकर चीन पर अपना गुस्सा दिखा चुका है। कोरोना टेंशन के बीच ट्रंप अब चीन को बड़ा झटका देने की तैयारी में हैं। चीन को सबक सिखाने के लिए ट्रंप मुस्लिम कार्ड खेल खेलने के मूड में हैं। जानकारी के अनुसार अमेरिकी कांग्रेस ने उइगुर मुस्लिमों को हिरासत में लेने से चीनी अधिकारियों को रोकने के लिए जिस बिल को मंजूरी दी थी, उस पर राष्ट्रपति ट्रंप हस्ताक्षर कर सकते हैं। दरअसल, अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने पिछले महीने चीन के पश्चिमी क्षेत्र शिनजियांग में उइगुर मुसलमानों को हिरासत में रखने और प्रताड़ित करने के लिए चीनी अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंधों का आह्वान करते हुए बिल पारित कर ट्रंप के पास भेजा गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप उस बिल पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया है कि जल्द ही इस पर घोषणा हो सकती है, हालांकि उन्होंने इसके लिए कोई समय सीमा नहीं तय की है। पिछले महीने जब इस बिल को अमेरिकी कांग्रेस में पास किया गया था तो ट्रंप के साथी रिपब्लिकन सदस्यों ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप बिल पर हस्ताक्षर करेंगे। हालांकि तब व्हाइट हाउस ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया था कि ट्रंप ऐसा करेंगे या नहीं लेकिन अब अगर ट्रंप ऐसा करते हैं तो चीन के लिए यह बड़ा झटका साबित हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार यह बिल चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगुर और अन्य मुस्लिम समूहों के दमन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों का आह्वान करता है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि शिविरों में 10 लाख से अधिक मुसलमानों को हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी कांग्रेस से इस बिल के पास होने के बाद अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर मार्को रुबियो ने कहा था कि कांग्रेस ने स्पष्ट संदेश दिया कि चीनी सरकार ऐसा किसी भी तरह का काम नहीं कर सकती है। हाउस की स्पीकर नैन्सी पलोसी ने भी एक बयान में कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेस बीजिंग के उइगुरों के खिलाफ मानवाधिकारों के हनन के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है.मालूम हो कि अमेरिका और चीन के बीच पिछले कुछ समय से तनाव बढ़ गया है। ट्रंप कोरोनो वायरस महामारी के लिए लगातार चीन को दोषी ठहरा रहे हैं। माना जा रहा है कि उइगुर मुस्लिमों से संबंधित यह बिल चीन और अमेरिका के बीच और भी ज्यादा तनाव बढ़ा सकता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मामूली तकरार में पड़ौसियों ने चाकू घोंप कर वृद्धा की हत्या की

सूरत पलसाणा के कराडा गांव में मामूली बात को लेकर चार जितने पड़ौसियों ने एक वृद्ध महिला की निर्मम हत्या कर दी! हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गए!

कडोदरा जीआईडीसी पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज आरोपियों की तलाश शुरू की है!

जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की पलसाणा तहसील के कराडा में रहनेवाली 70 वर्षीय कमुबेन का पड़ौसियों के साथ लकड़ी को लेकर मामूली तकरार हुई थी!

जिसे लेकर पड़ौसी हरिश नटु राठोड, आकाश हरिश राठोड़, बादल हरिश राठोड़ और मीना हरिश राठोड़ समेत चार लोग वृद्धा पर टूट पर पड़ेय लाठी, चाकू और कुल्हाडी जैसे हथियारों से वृद्धा पर अनगिनत प्रहार कर उसे मौत के घाट उतार दिया!

सूचना मिलते ही कडोदरा जीआईडीसी पुलिस घटनास्थल की ओर रवाना हो गई!

लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले चारों आरोपी मौके से फरार हो गए!

कडोदरा पुलिस ने वृद्धा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मृतका के पुत्र रवजी बुधियाभाई राठोड़ की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है!

समधी–समधन ने फांसी लगाकर जान दी

साबरकांठा उत्तरी गुजरात के खेडब्रह्मा में समधी–समधन के फांसी लगाकर जान देने की घटना सामने आई है!

पुलिस ने प्रेम प्रकरण में आत्महत्या का प्राथमिक अनुमान व्यक्त करते हुए फिलहाल दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है!

गौरतलब है कुछ महीनों पर सूरत में समधी–समधन की प्रेम कहानी देशभर में चर्चा का विषय बनी थी!

बेटे–बेटी की शादी से पहले समधी और समधन फरार हो गए थे!

हालांकि बाद में दोनों वापस लौट आए थे!

ऐसी ही घटना उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले में सामने आई है,

जिसमें समधी और समधन ने पेड से लटकर आत्महत्या कर ली!

जानकारी के मुताबिक साबरकांठा जिले की खेडब्रह्मा तहसील के वडाली गांव निवासी समधी–समधन दीधिया गांव की सीमा पर पहुंचे और वहां पेड़ पर एक रस्सी से फांसी लगाकर जान दे दी!

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए खेडब्रह्मा सिविल अस्पताल भेज दिया!

पुलिस का प्राथमिक अनुमान है प्रेम प्रकरण में दोनों ने खुदकुशी की है!

फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आत्महत्या

ताड़ी पीने के बाद एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

छोटाउदेपुर जिले के सिहादा गांव में ताड़ी पीने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई और एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है! मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है! जानकारी के मुताबिक छोटाउदेपुर जिले की क्वांट तहसील के सिहादा गांव निवासी परिवार ने मधुमक्खियों को मारने के लिए जहरीली दवाई छिड़की थी! दवाई के ताड़ी में मिश्रित होने ताड़ी भी जहरीली हो गई! सोमवार की रात परिवार के पांच सदस्यों ने ताड़ी का सेवन किया! जिसके बाद एक के बाद एक की तबियत खराब होने पर सभी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया! बाद में छोटा उदेपुर के निजी अस्पताल में सभी दाखिल किया गया है!

जहां पति–पत्नी और दो पुत्रों की मौत हो गई! जबकि एक महिला की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है! पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है!

कक्षा 10 का 60.64 प्रतिशत परिणाम घोषित, 174 स्कूलों ने हासिल किया शून्य

शहरों में 74.66 प्रतिशत नतीजों के साथ सूरत टॉप पर रह

अहमदाबाद कोरोना संकट काल में 75 दिन के लॉकडाउन के बाद आखिर राज्य में 10वीं साल के मुकाबले इस वर्ष कक्षा 10 नतीजा करीब 5 फीसदी कम आया है! माध्यम का 86.75 प्रतिशत और हिन्दी माध्यम का 63.94 प्रतिशत आया है! हासिल किया! राज्य में 100 प्रतिशत नतीजे प्राप्त करने वाली स्कूलों की की संख्या 63 थी, जो इस साल बढ़कर 174 हो गई हैं! लंबे इंतजार के बाद नतीजों

राज्य में गुजराती माध्यम का परिणाम 57.54 प्रतिशत, अंग्रेजी माध्यम का 86.75 प्रतिशत और हिन्दी माध्यम का 63.94 प्रतिशत आया

कक्षा का परिणाम आज जारी कर दिया गया है! गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2020 में कक्षा 10 की परीक्षा ली थी!

जिसमें राज्यभर में 10.80 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे!

बोर्ड की वेबसाइट www-gseb-org कक्षा 10 के नतीजे जारी किए गए! पिछले पिछले वर्ष 66.97 प्रतिशत था, जो इस साल घटकर 60.64 प्रतिशत रह गया! इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है! छात्रों का 56.53 प्रतिशत परिणाम आया है, वहीं छात्राओं ने 66.02 फीसदी नतीजा प्राप्त कर लड़कों को पीछे छोड़ दिया है!

राज्य में गुजराती माध्यम का परिणाम 57.54 प्रतिशत, अंग्रेजी इस वर्ष 310833 यानी 39 प्रतित विद्यार्थी गणित विषय में फैल हुए हैं!

शहरों में 74.66 प्रतिशत नतीजों के साथ सूरत टॉप पर रहा!

बनासकांठा जिले ने सबसे अधिक 94.78 प्रतिशत परिणाम हासिल किया है! जबकि दाहोद जिले ने 47.47 प्रतिशत परिणाम संख्या 291 और 1839 स्कूलों ने 30 प्रतिशत से कम परिणाम हासिल किया!

पिछले साल 30 प्रतिशत से कम नतीजे पाने वाली स्कूलों की संख्या 995 थी, जो इस बढ़कर 1839 यानी 50 फीसदी का इजाफा हुआ है!

इसी प्रकार गत वर्ष शून्य प्रतिशत प्राप्त करने वाली स्कूलों के ऐलान से विद्यार्थियों समेत अभिभावकों में खुशी छाई है!

राज्यभर में कुल 10.80 लाख विद्यार्थियों ने 81जोन और 934 केन्द्रों पर परीक्षा दी थी!

फिलहाल नतीजों का ऐलान किया गया है, मार्कशीट या अन्य सर्टिफिकेट के बाद में तारीख का ऐलान किया जाएगा!

मुख्यमंत्री ने ओवरब्रिज की दीवार टूटने की घटना की मजिस्ट्रियल जांच के दिए आदेश

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राजकोट में आजी डैम चौराहे पर स्थित ओवरब्रिज की दीवार टूटने की दुर्घटना को गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री ने इस घटना की मजिस्ट्रियल जांच राजकोट जिला कलक्टर को सौंपने का तत्काल आदेश दिया है।

इस दुर्घटना के संबंध में राजकोट जिला कलक्टर कार्यालय के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल की ओर से मिली जानकारी के अनुसार राजकोट शहर में आजी डैम चौराहा ओवरब्रिज के बगल में गोंडल चौराहे तरफ की एक साइड

की दीवार सोमवार सुबह धराशायी हो गई।

बरसात के कारण आजी डैम चौराहा ओवरब्रिज के बगल में गोंडल चौराहे की तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग के दक्षिण दिशा की ओर वाले सर्विस रोड के बगल में रोड सपोर्ट के लिए बनाई गई

आरसीसी की दीवार ढहने से दो वाहन चालकों की दबने से दुःखद मृत्यु हुई है। मुख्यमंत्री को इस घटना की

जानकारी मिलने पर उन्होंने पूरी घटना की मजिस्ट्रियल जांच के लिए राजकोट जिला कलक्टर को आदेश दिए हैं।

राष्ट्र प्रथम का भाव जगाकर मानव कल्याण के लिए उपयोगी शोध करें छात्र

उच्च शिक्षा विभाग के वेबिनार में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का युवा छात्रों को मार्गदर्शन

शोध योजना के तहत पीएचडी के 753 छात्रों को एक साथ 3.38 करोड़ की छात्रवृत्ति प्रदान की

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध करने वाले पीएचडी के युवा छात्रों को अपने नवोन्मेषी शोध से 'राष्ट्र प्रथम' का भाव जगाकर मानवजाति के कल्याण और विश्व के लिए उपयोगी शोध करने का प्रेरक आह्वान किया है।

रूपाणी मंगलवार को गांधीनगर में राज्य के उच्च शिक्षा विभाग की शोध (स्कीम ऑफ डेवलपिंग हाई क्वालिटी रिसर्च) योजना के अंतर्गत राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीएचडी कोर्स में गुणवत्तायुक्त संशोधन करने वाले 753 छात्रों को बतौर छात्रवृत्ति (स्टाइपेंड) कुल 3 करोड़ 38 लाख रुपए सीधे उनके बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए हस्तांतरित करने के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रहे थे।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने वाली दवाई सहित कई अन्य क्षेत्रों में आज की युवा पीढ़ी अपने संशोधनों के जरिए नेतृत्व कर गरीब, वंचित, पीड़ित और हाशिये के व्यक्ति को खड़ा होने का आधार देकर जगत के कल्याण का ध्येय साकार करे यह समय की मांग है।

शोध योजना के अंतर्गत राज्य के विश्वविद्यालयों में पीएचडी के शोधार्थियों को दो वर्ष तक मासिक 15 हजार रुपए की छात्रवृत्ति और आनुषंगिक खर्च के लिए वार्षिक 20 हजार रुपए मिलाकर कुल 2 लाख रुपए वार्षिक की सहायता राज्य सरकार प्रदान करती है।

रूपाणी ने विश्वास जताया कि शोध योजना के परिणामस्वरूप आगामी समय में गुजरात के विश्वविद्यालय पूरी दुनिया के लिए शोध–संशोधन के क्षेत्र में मील का पत्थर बने उस दिशा में राज्य सरकार और शिक्षा विभाग प्रभावी रूप से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने इन युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री की संकल्पना के नये भारत को साकार करने में अपने शोध को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत कर भारत को विश्व के शक्तिशाली राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा करने में योगदान दें।

उन्होंने शोध योजना का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा व शोध के अभ्यास में छात्रों को अनुकूल वातावरण मिले और अभ्यास–शोध के लिए खर्च की चिंता किए बगैर पूरी लगन के साथ ऐसे होनहार छात्र सफलतापूर्वक शोध कर राज्य का नाम रोशन करें ऐसी हमारी अभिलाषा है।

ऐसी होनहार युवा छात्रशक्ति को राज्य का गौरव करार देते हुए श्री रूपाणी ने कहा कि आपके शोध व नवोन्मेषी अनुसंधान से असंभव को संभव कर विश्व के कल्याण का नया निर्माण गुजरात की धरती पर हो उस तरीके से आप आगे बढ़ें, सरकार हमेशा आपके समर्थन में खड़ी है।

वेबिनार में उपस्थित शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडास्मा ने कहा कि छात्रों का शोध कार्य सामान्य नहीं बल्कि उच्च गुणवत्ता का है इसलिए आज राज्य सरकार उनकी उत्कृष्टता को प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे शोध सिर्फ शिक्षा परक या शिक्षा तक सीमित रहने के बजाये जीवन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए होने चाहिए।

शिक्षा मंत्री ने कोरोना संक्रमण काल में फिजीकल के बजाय डिजिटल माध्यम के द्वारा छात्रवृत्ति वितरण के इस वेबिनार को एक नया विचार करार दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवाशक्ति के विचारों और नई शोध दृष्टिकोण को पुरस्कृत करने के प्रखर हिमायती रहे हैं। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से 2017 में शुरू हुई स्टूडेंट स्टार्टअप पॉलिसी में गुजरात आज देश में आगे है।

शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव अंजू शर्मा ने कहा कि सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में राज्य के युवा छात्र शोध योजना का व्यापक लाभ हासिल कर रहे हैं।

सर्वाधिक 151 पीएचडी छात्र गुजरात विश्वविद्यालय में हैं।

कुल मिलाकर राज्य के 34 विश्वविद्यालयों में से शोध योजना के लिए छात्रों का चयन किया गया है।

छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले प्रतिभा संपन्न छात्र कुमारी पलक और शिवांगी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए खुशी जताई कि राज्य सरकार की इस सहायता योजना से उन्हें पीएचडी पूर्ण करने में आर्थिक सहारा मिला है।

वेबिनार में शिक्षा राज्य मंत्री विभावरीबेन दवे,

मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार गांधीनगर से जबकि राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक और प्राचार्य फैक्ल्टी एवं बड़ी संख्या में छात्र वेब कनेक्ट से इस वेबिनार में जुड़े।

फैल होने पर कक्षा 10 की छात्रा ने खुदकुशी कर ली

मोरबी गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मार्च 2020 में ली गई परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के बाद विद्यार्थी और अभिभावकों ने कहीं खुशी कहीं निराशा छा गई!

मोरबी में परीक्षा में फैल होने से निराश एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली!

जानकारी के मुताबिक मोरबी के पीपलिया गांव निवासी मगनभाई जादव की सबसे छोटी बेटी कीर्ति ने इसी साल 10वीं कक्षा परीक्षा दी थी! लड़की का सपना था कि वह शिक्षा प्राप्त करने के बाद बड़ी अधिकारी बनेगी! लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था! शिक्षा बोर्ड ने आज कक्षा 10 के नतीजों का ऐलान किया!

नतीजे से कीर्ति को ऐसा लगा जैसे उसकी अधिकारी बनने की इच्छा पर पानी फिर गया! गणित विषय में फैल होने से हताश होकर कीर्ति ने अपने ही में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली!

सूचना मिलते ही मोरबी तहसील पीपलिया गांव पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू कर दी!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)